राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 10 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–290 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर के चार जिलों में हिंसा के बाद फिर से इंटरनेट सेवाएं बहाल, हाईकोर्ट के निर्देश पर उठाया गया कदम

इंफाल। सुरक्षा अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि मणिपुर सरकार ने चार पहाड़ी जिला मुख्यालयों में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध हटा दिया है। ये जिले जातीय हिंसा से प्रभावित नहीं थे। उन्होंने कहा कि उखरूल, सेनापति, चंदेल और तामेंगलोंग जिला मुख्यालयों में परीक्षण के आधार पर इंटरनेट प्रतिबंध हटा लिया गया है। यह कदम मणिपुर हाईकोर्ट द्वारा राज्य सरकार को उन सभी जिला मुख्यालयों में (जो जातीय हिंसा से प्रभावित नहीं थे) परीक्षण के आधार पर मोबाइल टावरों को चालू करने का निर्देश देने के बाद उठाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि चार पहाड़ी जिला मुख्यालयों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं मंगलवार को फिर से शुरू हो गईं। मोबाइल इंटरनेट सेवाओं की बहाली के बारे में पूछे जाने पर उखरुल जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, ÷केवल जिला मुख्यालयों में कुछ चुनिंदा मोबाइल टावर चालू किए गए हैं। लेकिन कनेक्टिविटी खराब है। बहाली परीक्षण के आधार पर की जाएगी। उखरुल में हाल ही में एक समारोह में राज्य के परिवहन मंत्री काशिम वाशुम ने कहा था कि चार जिलों में सेवाएं फिर से शुरू होंगी। सितंबर में कुछ दिनों को छोड़कर मणिपुर में 3 मई से जातीय झड़पें होने के बाद से मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है। मई में पहली बार जातीय हिंसा भड़कने के बाद से मणिपुर बार-बार होने वाली हिंसा की चपेट में है। तब से अब तक 180 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। जातीय झड़पें दोनों पक्षों की एक-दूसरे के खिलाफ कई शिकायतों को लेकर हुई हैं, हालांकि, संकट का मुख्य बिंदु मेइतीस को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का कदम रहा है, जिसे बाद में वापस ले लिया गया, और संरक्षित वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासियों को बाहर करने का प्रयास किया गया। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

भाजपा ने निकाली विपक्ष की जाति जनगणना की काट, ओबीसी सर्वे का कर सकती है ऐलान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में जाति का मुद्दा हावी रहने की पूरी संभावना है। भाजपा ने भी विपक्ष की जाति जनगणना की काट निकाल ली है। रविवार को बिहार के मुजफ्फपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसके संकेत दिए हैं। इस रैली के दौरान पार्टी की रणनीति में बदलाव के उन्होंने संकेत दिए। हिन्दुस्तान टाइम्स को मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की एक नवंबर की बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि भगवा पार्टी एक बड़ी घोषणा करेगी, जिसमें पिछड़ा वर्ग सर्वेक्षण की बात होगी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसमें अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई बड़े नेता शामिल हुए।

इस बैठक के अगले ही दिन ओबीसी आउटरीच पर एक उच्च स्तरीय बैठक में इस पर मुहर लगा दी गई। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि तौर-तरीकों पर अभी काम किया जाना बाकी है, लेकिन केंद्र सरकार जल्द ही इसको लेकर घोषणा कर सकती है।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, कांग्रेस हिंदू वोटों को विभाजित करने के एकमात्र उद्देश्य से जाति जनगणना के वादे को दोहराती रहती है। हम ओबीसी सर्वेक्षण की घोषणा करके उस रणनीति को भी कुंद कर देंगे। वे इसे तभी मुद्दा बनाएंगे जब हम इसके विरोध में दिखेंगे। अगर हम सभी सहमत हैं और हम एक सर्वेक्षण का भी वादा

करते हैं, तो वे हिंदू वोट नहीं बांटेंगे।

भाजपा ने बताया है कि जब जाति सर्वेक्षण की घोषणा की गई थी तब वह बिहार में सरकार का हिस्सा थी। मंगलवार को जब नीतीश कुमार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने आरक्षण को 75त्न तक बढ़ाने का ऐलान किया तो भाजपा ने भी इसका समर्थन किया।

केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद अमित शाह ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में यह मुद्दा उठाया। पार्टी ने कहा, हम वोटों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करते हैं। हम पार्टी के भीतर चर्चा करने के बाद जातीय जनगणना पर उचित निर्णय लेंगे। भाजपा ने कभी भी जाति जनगणना का विरोध नहीं किया, लेकिन इस पर बहुत सोच-विचार कर निर्णय लेना होगा। अमित शाह ने बिहार की रैली के दौरान कहा, वे (महागठबंधन) इस रिपोर्ट के साथ खुद को ओबीसी के चैंपियन के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि जब जाति सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया था, तब भाजपा राज्य सरकार का हिस्सा थी। सर्वे में मुसलमानों और यादवों की संख्या बढ़ गई है। वहीं, ईबीसी (अत्यंत पिछड़ा वर्ग) की संख्या कम हो गई थी। यह लालू प्रसाद के दबाव में किया गया है।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि अमित शाह के शब्दों से पता चलता है कि भाजपा ने पिछले

> ● **भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, कांग्रेस हिंदू वोटों को विभाजित करने के एकमात्र उद्देश्य से जाति जनगणना के वादे को दोहराती रहती है। हम ओबीसी सर्वेक्षण की घोषणा करके उस रणनीति को भी कुंद कर देंगे। वे इसे तभी मुद्दा बनाएंगे जब हम इसके विरोध में दिखेंगे। अगर हम सभी सहमत हैं और हम एक सर्वेक्षण का भी वादा करते हैं, तो वे हिंदू वोट नहीं बांटेंगे।**

महीने में इस मुद्दे पर किस तरह ध्यान केंद्रित किया है। सर्वेक्षण पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, मैं सोच रहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह क्या सोच रहे होंगे। वह कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों का है। लेकिन अब कांग्रेस कह रही है कि समुदाय की आबादी तय करेगी कि देश के संसाधनों पर पहला हक किसका होगा। तो क्या अब कांग्रेस अल्पसंख्यकों के अधिकारों में कमी करना चाहती है?

जाति जनगणना पर भाजपा सोच-समझकर कदम उठाना चाहती है। बीते कुछ वर्षों में पारंपरिक रूप से अगड़ी जातियां, कम प्रभावशाली पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जातियों और जनजातियों को मिलाकर बीजेपी ने एक मजबूत चुनावी आधार बनाया है। इस गठबंधन ने भाजपा को हिंदी पट्टी में लगभग अजेय बना दिया है। भाजपा नेता ने कहा, हम अपने अगड़ी जाति के मतदाताओं को परेशान नहीं करना चाहते हैं, लेकिन बुधवार की बैठक में यह महसूस किया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए हमने जो 10 प्रतिशत कोटा घोषित किया था उसमें उनका ख्याल रखा गया है। इसलिए हम विपक्ष को इस मुद्दे पर एकाधिकार नहीं रखने दे सकते है। हम अपना समर्थन देंगे।

तेलंगाना में पिछड़ी जातियां और दलितों की आबादी 70 प्रतिशत से अधिक है। भाजपा ने पहले ही घोषणा कर दी है कि अगर वह जीतती है, तो उसका मुख्यमंत्री ओबीसी समुदाय से होगा। केंद्रीय मंत्री और राज्य प्रभारी किशन रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी पहले ही अपने वादे के साथ अपना संकल्प दिखा चुकी है। उन्होंने कहा, हम राज्य की 52 प्रतिशत आबादी की आकांक्षाओं को प्रसारित कर रहे हैं। उन्हें उनके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक लक्ष्यों को साकार करने के लिए एक आवाज और मंच दे रहे हैं। प्रधान मंत्री मोदी भारत के पहले ओबीसी प्रधानमंत्री हैं।

दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक स्तर पर प्रदूषण, समग्र एक्यूआई 426 दर्ज

पिछले कई दिनों से देश की राजधानी प्रदूषण के गंभीर खतरे से जूझ रही है। पराली और वाहनों के धुएं के कारण लोगों का सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में सुबह के वक्त औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 426 के आसपास दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को भी प्रदूषण स्तर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। पिछले कई दिनों से देश की राजधानी प्रदूषण के गंभीर खतरे से जूझ रही है। पराली और वाहनों के धुएं के कारण लोगों का सांस लेना भी दूभर होता जा रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में सुबह के वक्त औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 426 के आसपास दर्ज किया गया। जबकि बुधवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 426 दर्ज किया था और मंगलवार को 395 दर्ज किया गया था।

सीपीसीबी के मुताबिक दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 432, आर के पुरम में 453, पंजाबी बाग में 444, आईटीओ 441, एएसआईटी द्वारका में 425, द्वारका सेक्टर आठ में 462, नजफगढ़ में 451, आईजीआई एयरपोर्ट में 445, मुंडका में 427, पूसा में 428 दर्ज किया गया है। लोधी रोड में एक्यूआई 387 किया गया दर्ज। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए ग्रैप -4 की पाबंदियां लागू हैं। आज से स्कूलों को भी 18 नवंबर तक बंद कर दिए गए हैं।

पुलिस ने झुठला दिया कुमार विश्वास का हमले वाला दावा, अब पल्ला झाड़ रहे कवि

गाजियाबाद। मशहूर कवि और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता कुमार विश्वास के एक ट्वीट ने बुधवार को सोशल मीडिया से लेकर पुलिस महकमे तक में हलचल पैदा कर दी। कुमार विश्वास ने दावा किया कि गाजियाबाद में उनके काफिले पर हमला किया गया है और सुरक्षाकर्मियों से मारपीट की गई। लेकिन कुछ ही देर बाद सामने आए एक जख्मी डॉक्टर ने खुद को पीड़ित बताते हुए कहा कि साइड नहीं देने पर उन्हें पीटा गया है। अब गाजियाबाद पुलिस ने भी शुरुआती जांच के बाद कुमार विश्वास के आरोपों को गलत बताया तो कवि ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया है। गाजियाबाद पुलिस ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर संक्षित बयान जारी किया और यह साफ कर दिया कि कुमार विश्वास के काफिले पर हमला नहीं हुआ था, जैसा कि कवि ने दावा किया था। पुलिस ने एक्स पर लिखा, आज संज्ञान में आए प्रकरण में कुमार विश्वास के काफिले पर किसी अज्ञात

व्यक्ति के द्वारा हमले के संबंध में प्रारंभिक जांच के क्रम में आरोप सिद्ध नही हुए हैं, थाना इंदिरापुरम पुलिस आगे की जांच और कार्रवाई कर रही है। चेहरे से टपकते खून के साथ डॉक्टर की ओर से लगाए गए मारपीट के आरोप और पुलिस के बयान के बाद सोशल मीडिया पर कुमार विश्वास की घेराबंदी शुरू हो गई। लोगों ने उनसे सवाल दागने शुरू कर दिए हैं तो पूर्व नेता बैकफुट पर नजर आए।

दिवाली से पहले पाक ने फिर भड़काई आग, सीजफायर तोड़ा; एक बीएसपी जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सांभा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी रेंजरों की गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान शहीद हो गया। यह घटना 8-9 नवंबर की मध्यरात्रि को हुई। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भी करारा जवाब दिया है। बीएसपी ने एक बयान में कहा, ÷8/9 नवंबर 2023 की रात के दौरान पाकिस्तान रेंजर्स ने रामगढ़ इलाके में अकारण गोलीबारी की। बीएसएफ जवानों ने माकूल जवाब दिया। बीएसएफ जवान को गोली लगी और उसे तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. लखविंदर

सिंह ने बताया कि बीएसएफ का एक जवान पाकिस्तानी गोलीबारी में घायल हो गया। इलाज के लिए रात करीब 1 बजे केंद्र में आया। बाद में उन्हें जम्मू के जीएमसी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पाकिस्तानी रेंजरों की गोलीबारी से रामगढ़ क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत फैल गई। उन्होंने बंकरों में शरण ले ली। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा 24 दिनों में यह तीसरा संघर्ष विराम उल्लंघन है। 25 फरवरी 2021 को दोनों देशों के द्वारा युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से यह छठा उल्लंघन है।

दीपोत्सव : त्रेतायुगीन अयोध्या की बिखरने लगी छटा, लाइटों से जगमग हुई अवधपुरी

अयोध्या। सरकार दीपोत्सव पर एक बार फिर विश्व कीर्तिमान रचने में जी जान से जुटी है। इसी कड़ी में अयोध्या में बने धर्म पथ पर गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस के सातों अध्याय (बाल कांड, अयोध्या कांड, अरण्य कांड, किष्किंधा कांड, सुंदर कांड, लंका कांड और उत्तर कांड पर आधारित खूबसूरत द्वार बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न किस्म की लाइटों से नगर को रौशन किया जा रहा है।

अयोध्या में निर्माणाधीन भव्य श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे लेकर अयोध्या को सजाया संवारा जा रहा है। प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या को एक बार फिर उसका प्राचीन वैभव प्रदान करने में लगी है। दो माह

बाद प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, इसके चलते इस वर्ष दीपोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखते ही बन रहा है।

दीपोत्सव पर श्रद्धालुओं को होगी प्राचीन अयोध्या की अनुभूति

संस्कृति विभाग की ओर से तैयार कराए जा रहे इन द्वारों को पर्यटन विभाग की देखरेख में लगाया जा रहा है। पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या को उसके पौराणिक वैभव व गरिमा में सजाया संवारा जा रहा है। इसके लिए करोड़ों रुपए से अयोध्या में विकास कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में धर्म पथ पर रामायण के सातों अध्यायों के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित द्वार बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि द्वारों के बनने से श्रद्धालुओं को दीपोत्सव के मोके पर अयोध्या पहुंचने पर प्राचीन अयोध्या की अनुभूति होगी।

धर्मपथ पर लगाई जा रही विभिन्न प्रकार की लाइटें-उन्होंने बताया कि दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या को विभिन्न प्रकार की लाइटों से सजाने संवारने का काम तेजी से हो रहा है। इसी कड़ी में धर्मपथ पर विभिन्न प्रकार की लाइट लगाई जा रही हैं, जिसमें राम मंदिर, चांद मॉडल, दीप मॉडल व वॉल मॉडल की लाइटों से अयोध्या को जगमग किया जा रहा है।

बैन के बाद भी दिवाली पर जला सकते हैं ऐसे पटाखे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (7 नवंबर) को यह स्पष्ट किया कि पटाखों में बेरियम और अन्य प्रतिबंधित रसायनों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाला उसका आदेश केवल भारत की राजधानी नई दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों पर ही नहीं, बल्कि पूरे देश पर लागू होता है। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ एक आवेदन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राजस्थान सरकार को शीर्ष अदालत के आदेशों का पालन करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

बेंच ने कहा, आदेश राजस्थान सहित देश के हर राज्य पर लागू होंगे। इसलिए, हम यह स्पष्ट करते हैं कि राजस्थान भी इस पर ध्यान देगा। न केवल त्योहारी सीजन के दौरान, बल्कि उसके बाद भी वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए सभी कदम उठाएगा।÷

किस तरह के पटाखों की अनुमति है?

अक्टूबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों और कम उत्सर्जन वाले पटाखों को छोड़कर सभी पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। कोर्ट ने देर तक जलने और आवाज करने वाले पटाखों के निर्माण और बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। आतिशबाजी में बेरियम लवण के उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। 29 अक्टूबर 2021 के अपने आदेश में कोर्ट ने इसे दोहराया।

इस साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने पटाखा निर्माताओं के संघ की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शामिल पटाखों के उपयोग की अनुमति देने और हरे पटाखों में बेहतर एडिटिव्स के साथ बेरियम जोड़ने की मांग की गई थी। 2020 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने एनसीआर में सभी प्रकार के पटाखों की बिक्री और उपयोग पर

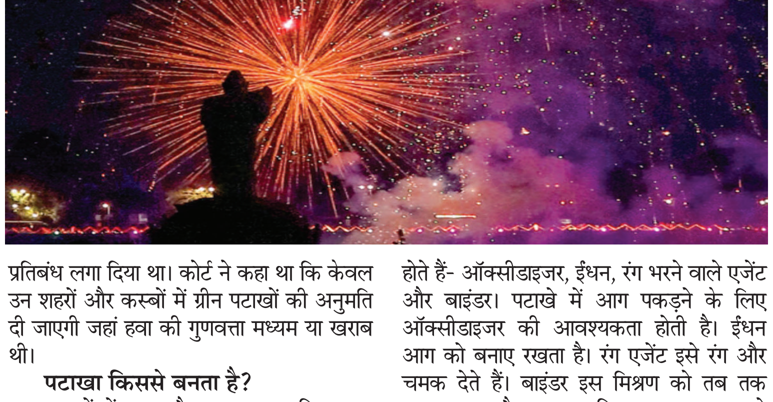

प्रतिबंध लगा दिया था। कोर्ट ने कहा था कि केवल उन शहरों और कस्बों में ग्रीन पटाखों की अनुमति दी जाएगी जहां हवा की गुणवत्ता मध्यम या खराब थी।

पटाखा किससे बनता है?

पटाखों में आम तौर पर चार प्राथमिक तत्व होते हैं- ऑक्सीडाइजर, ईंधन, रंग भरने वाले एजेंट और बाइंडर। पटाखे में आग पकड़ने के लिए ऑक्सीडाइजर की आवश्यकता होती है। ईंधन आग को बनाए रखता है। रंग एजेंट इसे रंग और चमक देते हैं। बाइंडर इस मिश्रण को तब तक बनाए रखता है जब तक कि पटाखा खत्म न हो जाए।

बेरियम जैसे रसायन रंग भरने वाले एजेंट हैं। यह मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव छोड़ता है। इसके कारण सांस नली में जलन, त्वचा की एलर्जी, सांस लेने में कठिनाई और यहां तक कि कैंसर भी हो सकते हैं। इसलिए ऐसे पटाखों पर कोर्ट ने बैन लगा दिया।

पटाखे में सफेद रंग एल्यूमीनियम, मैग्नीशियम और टाइटेनियम के माध्यम से उत्सर्जित होता है। वहीं, नारंगी रंग कार्बन या लोहे के माध्यम से उत्सर्जित होता है। इसी प्रकार पीले एजेंट सोडियम यौगिक हैं जबकि नीले और लाल तांबे के यौगिक और स्ट्रोंटियम कार्बोनेट हैं। हरा एजेंट बेरियम मोनो क्लोराइड लवण या बेरियम नाइट्रेट या बेरियम क्लोरेट है।

ग्रीन पटाखे क्या हैं?

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (ष्टस्ढ्ढक्र-हृश्वश्वक्रढ्ढ) के तत्कालीन निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने 2018 में बताया था कि ग्रीन पटाखों का नाम इसलिए रखा गया है क्योंकि उनमें वायु प्रदूषण के हानिकारक रसायन नहीं होते हैं। पटाखों में ऐसे घटकों को बदल दिया जाता है जो वातावरण के लिए कम खतरनाक और कम हानिकारक होते हैं।

ग्रीन पटाखे बनाने के विचार पर सेंट्रल इलेक्ट्रो केमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीईसीआरआई), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट और नेशनल केमिकल लेबोरेटरी सहित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के एक नेटवर्क द्वारा शोध किया गया था। ये पटाखे कम हानिकारक रसायनों का उत्सर्जन करते हैं। ये जलवाष्प भी छोड़ते हैं जो धूल को दबाने का काम करता है।

संपादकीय

कैसे रुके प्रदूषण

उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण से हुआ बुरा हाल दुखद है। प्रदूषण से स्थिति इतनी खराब हो गई है कि दिल्ली सरकार ने बुधवार को सभी स्कूलों में 18 नवंबर तक के लिए अवकाश की घोषणा कर दी है। वैसे निचली कक्षाएं तो 3 नवंबर से ही नहीं लग रही हैं। इसे शीतकालीन छुट्टियां कहा जा रहा है, पर वास्तव में ये प्रदूषणकालीन छुट्टियां हैं। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण लगातार 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। दीपावली तक प्रदूषण घटने की कोई उम्मीद नहीं है, इसके बाद ही प्रदूषण-रोधी नियमों को ठीक से लागू किया जाएगा और पराली जलाने की घटनाओं में भी कमी आएगी। हालांकि, ज्यादातर स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं चलाएंगे और यह जरूरी भी है। कोरोना और लॉकडाउन ने ऑनलाइन पढ़ाई की क्षमता विकसित कर दी है और इसका लाभ लेने में कोई हर्ज नहीं है। अवकाश प्रदूषण से बचने-बचाने के लिए मंजूर हुए हैं, पर इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे पढ़ना और शिक्षक पढ़ाना छोड़ दें। स्कूलों को सुनिश्चित करना होगा कि पढ़ाई में नुकसान न हो। शिक्षा केवल भविष्य से जुड़ा विषय नहीं है, यह रोजगार से भी जुड़ा क्षेत्र है, अतः प्रदूषण व अवकाश का कम से कम असर शिक्षा पर पड़ना चाहिए। दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में जो धुआं व्याप्त है, उसमें एक तिहाई योगदान पराली का बताया जा रहा है। क्या पंजाब या हरियाणा में भी बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है? वहां शायद दिल्ली की तरह पढ़ाई प्रभावित नहीं हो रही है, पर वहां लोगों का स्वास्थ्य तो खतरनाक रूप से प्रभावित हो रहा होगा। क्या वहां के लोग इस बारे में सोच रहे हैं? क्या वहां की सरकारें लोगों के स्वास्थ्य के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? मोटे तौर पर हवा में प्रदूषण की मात्रा सुरक्षित सीमा से सात से आठ गुना अधिक हो गई है। कुछ पैमानों पर तो दिल्ली में हवा सुरक्षित सीमा से 30 से 40 गुना अधिक है। गंगा के मैदानी इलाकों के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता खतरनाक बनी हुई है। यह बात बार-बार दोहराने की जरूरत है कि यह प्रदूषण सामान्य नहीं, जानलेवा है। ध्यान रहे, करोड़ों लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है, सुबह-शाम गुलजार रहने वाले उद्यान सूने पड़ गए हैं, लोगों का बाहर टहलना तक बंद हो गया है। ऐसे में, जीवन शैली से जुड़ी अन्य बीमारियों को भी मौका मिलेगा। अच्छी बात है, एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदूषण का संज्ञान लिया है और तमाम सरकारों को फटकारते हुए उचित ही कहा है कि इस मुद्दे पर हर समय राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाई जाए। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि वह प्रदूषण के कारण लोगों को मरने नहीं दे सकती। दिल्ली आगे बढ़कर हरियाणा को जिम्मेदार ठहराए और हरियाणा ठीकरा पंजाब के माथे फोड़ दे, अब तक यही तो चलता आ रहा है। यह आम लोगों के लिए भी जागने का समय है। सबको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए कि वह इस प्रदूषण में कितना योगदान दे रहा है? महात्मा गांधी ने इस देश के आम लोगों को बहुत पहले ही आगाह किया था कि सिर्फ सरकार के भरोसे मत रहना। वाकई, प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी हो गई है और हमें सोचना चाहिए कि हम व्यक्तिगत रूप से और सम्मिलित रूप से भी अपने प्रदेश, देश के लिए क्या कर सकते हैं!

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

यमराज की पूजा का पर्व है धनतेरस

– रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए मनाया जाता है। दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदें। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर पर 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आह्वान किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस को धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति घर लाई जाती हैं। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दू धर्म में ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्तान होने से आपस में भाई-बहन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते हैं। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता है। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रुई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करे हीं, साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोड़कर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा भी है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। देव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होंने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक-दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार के प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेंट करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ हैं। मौसम में बदलाव और दीपपर्व में घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां न करें।

मिलावटख़ोरी देश के लिये कलंक

(लेखिका -निर्मल रानी)

वैसे तो जब भी भारत में मनाये जाने वाले प्रमुख त्यौहार क़रीब आते हैं उस समय खाद्य सामग्री विशेकर दूध,घी,पनीर में व इनसे बनी मिठाइयों में मिलावट की ख़बरें सुर्ख़ियां बटोरने लगती हैं। परन्तु सच पूछिये तो यह पूरे देश का दुर्भाग्य है कि वह पूरे वर्ष मिलावटी खाद्य सामग्री का शिकार बना रहता है। खेतों में उगाई जाने वाली सब्ज़ियों से लेकर फल तक सभी में रासायनिक तत्वों की भरमार रहती है। अनेक महानगरों व औद्योगिक नगरों में तो खेतों में सब्ज़ियों की सिंचाई के लिये औद्योगिक कचरे व रसायन से युक्त ज़हरीला पानी तक इस्तेमाल किया जाता है। दूध के नाम पर तो 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग ज़हर पी रहे हैं। यदि इन पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया गया तो एक अनुमान के अनुसार 2025 तक देश की लगभग 87 प्रतिशत आबादी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की गिरफ़्त में होगी। ज़रा सोचिये कि जिस देश में दूध के उत्पादन से लगभग चार गुना ज़्यादा प्रतिदिन दूध की खपत होती हो वहां शुद्ध दूध का प्रश्न ही कहाँ रह जाता है। होली दिवाली जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के दौरान स्वास्थ्य व खाद्य विभाग की टीमें थोड़ी बहुत मुस्तैदी दिखाती हैं जिसके चलते कुछ नाममात्र लोग नक़ली दूध,खोया,घी,मक्खन,दही या मिठाइयां आदि बनाते हुए पकड़े जाते हैं। कोई नहीं जानता कि ज़हर बेचने वाले इन दुष्ट मिलावटख़ोरों का ज़हर खा पी कर कितने लोग जानलेवा बीमारियां ख़रीद बैठे और कितने मौत की आग़ोश में समा बैठे।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना,विश्वगुरु बनने की ललक,देश में धर्म व अध्यात्म के नाम का हिलोरें मारता हुआ समुद्र,पूरे देश में प्रवचन कर्ताओं की भीड़,बुलेट ट्रेन दौड़ने की तैयारी जैसी तमाम बातें उस समय नाचते हुये मोर द्वारा अपना पैर देख लेने के समान हो जाती हैं जब इसी विकासशील भारत में हम मिलावट का बाज़ार सिर चढ़ कर बोलता हुआ देखते हैं। मिलावट ख़ोर केवल दूध घी में ही मिलावट नहीं करते बल्कि यह आटा, बेसन, मसाले, कुट्टू का आटा, तेल, पनीर, मावा आदि सभी खाद्य सामग्री में मिलावट करते हैं। कैमरा मोबाईल के इस दौर में अब न तो यह सब केवल आशंकायें रह गयी हैं न ही अंदाज़े। बल्कि इसी मिलावटख़ोर नेटवर्क में ही काम करने वाला कोई शख़्स जब इस भ्रष्ट व मिलावटख़ोर व्यवस्था से किन्हीं भी कारणों से स्वयं को अलग करता है वही व्यक्ति काम छोड़ने से पहले चुपके से इस मिलावटख़ोरी प्रकरण की पूरी वीडिओ तैयार करता है और ख़ुद ही उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर देता है। फिर चाहे वह सब्ज़ियों में ज़हरीले इंजेक्शन लगाकर रातोंरात सब्ज़ी का आकर व वज़न बढ़ाना हो या रासायनिक अथवा डिटर्जेंट दूध तैय्यार करना हो। नक़ली व ज़हरीली मिठाइयां बनाना हो। घोर गंदिगी के वातावरण में खाने पीने का सामान तैयार करना हो या खाद्य सामग्री तैयार करते समय उसमें सड़ी गली चीज़ों का प्रयोग हो। सब कुछ देश की जनता देखती रहती है। हद तो यह कि बाज़ारों में सरे आम चांदी और सोने का वर्क़ लगी मिठाईयां बेची जा रही हैं जिनमें न ही सोना है न ही चांदी बल्कि एल्युमीनियम जैसी घातक धातुओं को चांदी और सोने के वर्क़ के नाम पर पूरे देश में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। मिलावटख़ोरी रोकने वाले विभाग वैसे तो वर्ष भर निरंतर जांच पड़ताल करने व नमूने इकट्ठे करने के लिये गठित किये गए हैं। परन्तु इन में मिलावटी मिठाइयों व खाद्य सामग्रियों की जांच पड़ताल में तेज़ी या विभागीय सक्रियता त्यौहारों से कुछ दिन पहले ही नज़र आती है। यही वजह है कि मिलावटख़ोरों के हौसले बुलंद रहते हैं और साल भर मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वाले लोगों के त्यौहारों के दौरान भी यह बाज़ नहीं आते। और इन्हीं त्योहारों के दिनों में वह मोटे नोट कमाते हैं। इस दौरान यदि खाद्य व स्वास्थ्य विभाग की टीम छापा मार कार्रवाई करती भी है और मिठाइयों या अन्य खाद्य सामग्रियों के सैंपल लेती भी है तो यह कार्रवाई एक लम्बी क़ानूनी प्रक्रिया से गुज़रती है। अगर मामला लेदेकर रफ़ा दफ़ा नहीं भी हुआ तो सेम्पल की लैब रिपोर्ट आने तक इंतज़ार करना पड़ता है। जबतक रिपोर्ट नेगेटिव नहीं आती तब तक दुकानदार अपना संदिग्ध सामान बेच सकता है। गोया फ़िलहाल तो इस तरह की छापामार कार्रवाई केवल ख़ानापूर्ति ही साबित होगी। और यदि सेम्पल फ़ेल हो जाता है और मिलावटख़ोरी साबित भी हो जाती है तो प्रायः इनपर 20 या 25 हज़ार रुपए जुर्माना हो जाता है। इस जुर्माने को मिलावटख़ोर आसानी से भरकर किसी कड़ी सज़ा से बच जाता है। नतीजतन मुंह में हराम के पैसे लग चुके ऐसे लोग पुनः मिलावट का काम करने में जुट जाते हैं। दरअसल किसी भी खाद्य सामग्री में मिलावटख़ोरी का सीधा सा अर्थ है आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करना। आम लोगों को धीमा ज़हर बेच कर ख़ुद तो पैसे कमाना और अपने ग्राहकों के लिये संगीन बीमारी यहाँ तक कि मौत की राह हमवार करना। यह अपराध की उस श्रेणी में नहीं आता जिसमें किसी प्रकार की क्षमा की गुंजाइश हो। यह मिलावटख़ोरों और ज़हर परोसने वालों द्वारा किया जाने वाला ग़ैर इरादतन अपराध का मामला नहीं बल्कि पूरी तरह से सोच समझकर नियोजित तरीक़े से किया जाने वाला अक्षम्य अपराध है। और पकड़े जाने के बावजूद आरोपियों का लेदेकर या जुर्माना भरकर बच निकलना ही पूरे देश में मिलावटख़ोरी के दिनोंदिन बढ़ते जा रहे नेटवर्क को प्रोत्साहित करने का सबसे बड़ा कारण है। इन्हीं की वजह से अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही है। समय पूर्व लोगों की जान जा रही है। ऊँचे रुसूख़ रखने वाले स्वामियों की बड़ी से बड़ी नामी ग्रामी कंपनियां जिनके सैम्पल फ़ेल होने की बार बार ख़बरें आती रहती हैं उन पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती। और इन अपराधियों के बुलंद हौसलों से प्रेरित होकर पूरे देश में केवल खाद्य सामग्री ही नहीं बल्कि जीवन रक्षक दवाइयां तक नक़ली व मिलावटी बिकने लगी हैं। इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को जुर्माने नहीं बल्कि कठोर दंड की ज़रुरत है। पेशेवर मिलावटख़ोर साबित होने पर तो ऐसे लोगों को फांसी की सज़ा तक मिलनी चाहिये। अन्यथा इनके घरों पर बुलडोज़र चलना चाहिये ,इनकी सम्पत्तियाँ ज़ब्त की जानी चाहिये। इतना ही नहीं बल्कि जिस इलाक़े में ऐसे अपराधी रहते हों उस इलाक़े में इनका पूर्ण सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिये। मुफ़्तख़ोरी करने वाले ऐसे लोग केवल लोगों की जान से ही खिलवाड़ नहीं करते बल्कि इनकी वजह से पूरी दुनिया में भारत की बदनामी भी होती है। सीधे शब्दों में मिलावटख़ोरी देश के लिये एक कलंक साबित हो रही है।

विचार मंथन

भाजपा की कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना

(लेखक- सनत जैन)

- नीतीश बाबू का बयान भाजपा के लिए ... संजीवनी बूटी

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ भाजपा ने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के ऊपर भी निशाना साधा है। भाजपा नीतिश बाबू के 1 तीर से कई निशाने साध रही है। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं के बार में दिए गए व्यक्तत्व को भाजपा ने राष्ट्रव्यापी बड़ा मुद्दा बना लिया है। भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में इस मामले को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है। देश के सभी हिस्सों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान की निंदा और भर्तसना की जा रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा इस मामले में तुरंत माफी भी मांग ली। उन्होंने स्वयं अपनी निंदा भी की। विधानसभा के अंदर भी उन्होंने माफी मांगते हुए इस मामले का पटाक्षेप करने की कोशिश की। लेकिन भाजपा के तेवर ढीले नहीं हुए। भाजपा इस मामले में नीतिश कुमार को कोई भी कीमत में माफी देने तैयार नहीं है। उल्टे भाजपा ने इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को भी नीतीश कुमार के बयान पर लपेट लिया। भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को लेकर इस मामले में इतनी उत्तेजित क्यों है? यदि इसके बारे में जानना चाहते हैं, तो संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं का आरक्षण बिल पास कराया गया था।दोनों सदनों से यह बिल पास हो गया। भारतीय जनता पार्टी को विश्वास था कि 50 फीसदी से अधिक महिलाओं के वोट महिला आरक्षण के कारण भाजपा की झोली में जाएंगे। लेकिन महिला आरक्षण बिल का सभी राजनीतिक दलों का समर्थन किया। विपक्ष द्वारा महिलाओं के आरक्षण में जाति आरक्षण लागू करने की मांग की गई। जिससे भाजपा बचाव की मुद्रा में आ गई। महिला आरक्षण भी परिसीमन के बाद 2029 से लागू होने की बात सरकार द्वारा कही जा रही है। महिला आरक्षण बिल को लेकर जो राजनेतिक लाभ की कल्पना भारतीय जनता पार्टी ने की थी। वह पूरी होती नहीं दिख रही है। महिला आरक्षण में भी जाति आधारित आरक्षण की मांग से भाजपा बेकफुट पर आ गई थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति आधारित जनगणना कराकर भारतीय जनता पार्टी पर करारी चोट की थी। विधानसभा सत्र में उन्होंने 75 फ़ीसदी आरक्षण देकर भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। 75 फीसदी आरक्षण नीतीश कुमार का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा था। नीतीश कुमार ने महिलाओं को लेकर सदन के अंदर जो बयान दिया है।

उसके बाद भारतीय जनता पार्टी को संजीवनी बूटी मिल गई है। भाजपा बिहार में जातीय आरक्षण और महिलाओं के मुद्दे पर जो अचेतावस्था में जा चुकी थी। नीतीश के बयान से उसे संजीवनी बूटी मिली है। इसका लाभ लेने का कोई भी मौका भारतीय जनता पार्टी छोड़ना नहीं चाहती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के बारे में बयान देखकर अपने मास्टर स्ट्रोक को खुद ही लफड़े में डाल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भारतीय जनता पार्टी के हर स्तर के नेता, सांसद, विधायक, पार्टी के पदाधिकारी देश भर के सभी प्रदेशों में इस मामले को लेकर महिलाओं के बीच तक जा रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव तक नीतीश कुमार का यह बयान उनके ऊपर भारी पड़ता रहेगा। यह मामला भारतीय जनता पार्टी लंबे समय तक जीवित रखेगी। भारतीय जनता पार्टी ने कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना की तर्ज पर महिलाओं के 50 फीसदी से ज्यादा वोटों पर ध्यान है। भाजपा इस मामले में इंडिया गठबंधन, कांग्रेस और नितीश बाबू पर निशाना साधकर महिलाओं को भाजपा के पक्ष में प्रभावित करने के लिए भरसक प्रयास करेगी। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव तक इस मुद्दे को जिंदा रखते हुए बिहार में नितीश बाबू के लिए कड़ी चुनौती बनेगी। वहीं लोकसभा चुनाव के लिए सारे देश में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के लिये भी इसी मुद्दे को 2024 का मुख्य मुद्दा बनाएगी। ताकि महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा वोट भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मिल सके।

नीतीश कुमार के ब्रह्मास्त्र को जिस तरह से नीतीश कुमार के एक बयान से ही इतना भारी नुकसान हुआ है। इसकी कल्पना नीतीश कुमार और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने भी नहीं की होगी। एक छोटे से अनावश्यक बयान से नीतीश बाबू का मास्टर स्ट्रोक फुस्सी बम बन गया।

रिलायंस रिटेल का पहला स्वदेश स्टोर हैदराबाद में खुला

हैदराबाद । रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने हैदराबाद में रिलायंस रिटेल के पहले स्वदेश स्टोर का हाल ही में उदघाटन कर` दिया है। कंपनी के अनुसार हैदराबाद के जुबली हिल्स में 20,000 वर्ग फुट में फैली यह दुकान भारतीय कला और शिल्प को समर्पित है। नीता अंबानी ने कहा कि रिलायंस रिटेल के स्वदेश स्टोर, भारत की सदियों पुरानी कला को दुनिया के सामने रखने का मंच बनने के साथ-साथ कारीगरों और शिल्पकारों के लिये आमदनी का जरिया भी बनेंगे। स्वदेश दुकान में हस्तशिल्प के अलावा हस्त निर्मित खाद्य वस्तुएं व कपड़े जैसे उत्पाद भी खरीदारी के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि स्वदेश भारत की पारंपरिक कला और कारीगरों को बचाने और उन्हें आगे बढ़ाने की एक अच्छी पहल है। इसमें मेक इन इंडिया की भावना निहित है और यह हमारे कुशल कारीगरों और शिल्पकारों के लिए सम्मान के साथ जीविका चलाने का साधन बनेगा। वे वास्तव में हमारे देश का गौरव हैं और स्वदेश के माध्यम से हम उन्हें वह वैश्विक पहचान दिलाने की कोशिश करेंगे, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और यूरोप में भी स्वदेश का विस्तार करने का प्रयास करेंगे।

भारत में गिटहब पर जेनरेटिव एआई प्रोजेक्ट बनाने वाले अब 13.2 मिलियन डेवलपर्स

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले एआई-पावर्ड प्लेटफॉर्म गिटहब के भारत में 13.2 मिलियन डेवलपर्स हैं। जिसमें से 3.5 मिलियन इस साल इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं। भारत में डेवलपर्स वैश्विक स्तर पर गिटहब जेनरेटिव एआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता हैं। इस निरंतर और महत्वपूर्ण वृद्धि के साथगिटहब का अनुमान है कि भारत 2027 तक कुल डेवलपर आबादी में अमेरिका से आगे निकल जाएगा। गिटहब में एपीएसी के उपाध्यक्ष शैरिन नेपियर ने कहा, भारत का बढ़ता डेवलपर समुदाय एक नवाचार पावरहाउस के रूप में देश की स्थिति के केंद्र में है। भारतीय डेवलपर्स को गिटहब पर जेनेरिक एआई परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए देखना रोमांचक है, जो एआई परिदृश्य में भारत के बढ़ते महत्व को उजागर करता है, साथ ही देश के डेवलपर्स सीधे दुनिया भर में एआई नवाचार के भविष्य को आकार दे रहे हैं। गिटहब की स्टेट ऑफ द ऑक्टोवर्स रिपोर्ट के 2023 संस्करण से पता चला है कि जेनरेटिव एआई 148 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि के साथ जेनरेटर एआई परियोजनाओं में व्यक्तिगत योगदानकर्ताओं में एक महत्वपूर्ण और वैश्विक वृद्धि ला रहा है। विशेष रूप से, अमेरिका, भारत और जर्मनी डेवलपर समुदायों के बीच अग्रणी हैं, जबकि यूके, जापान, हांगकांग और फ्रांस सहित अन्य क्षेत्र इसके बाद हैं। भारत के डेवलपर समुदाय ने साल-दर-साल लगातार वृद्धि का अनुभव किया है, जिसमें 2023 में 36 प्रतिशत की वृद्धि भी शामिल है। भारत अपने और अन्य देशों के लिए डिजिटल भुगतान और ईकॉमर्स सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए सॉफ्टवेयर कोड से लेकर एआई मॉडल तक खुली सामग्रियों के साथ अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है।

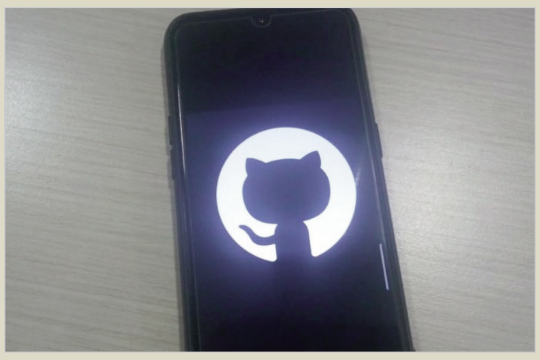

भारत-जापान चिप्स, रेयर-अर्थ और एआई में सहयोग कर सकते हैं : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को टोक्यो में कहा कि सेमीकंडक्टर और मजबूत सप्लाई चेन, रेयर अर्थ एक्सट्रैक्शन, स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग में भारत और जापान के बीच सहयोग के कई अवसर हैं। दास ने टोक्यो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में अपने संबोधन में कहा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी हमारी साझेदारी संभावित रूप से मजबूत हो सकती है। मुझे यकीन है कि भविष्य पूरी दुनिया के लाभ के लिए हमारी भागीदारी को गहरा करने की असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। भारत अपनी युवा जनसांख्यिकी, भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार और सबसे बढ़कर, एक सक्षम नीति वातावरण के साथ वैश्विक विकास का नया इंजन बन गया है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में जापान और भारत स्वाभाविक साझेदार बने रहेंगे। दास ने कहा, हम जापानी आर्थिक चमत्कार को एक सीखने के अवसर के रूप में देखते हैं। हम भारत के विकास पथ को ऊपर उठाने के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। जापान ने कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की साझेदारियों से भारत में बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, भारत हमारे दोनों देशों के लिए विकास और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत के लिए जापान को एक करीबी भागीदार के रूप में देखता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत पर प्रकाश डालते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि देश की विकास दर पटरी पर बनी हुई है, मुद्रास्फीति नरमी की राह पर है, हालांकि यह अभी भी टारगेट से ऊपर है। बैंकों और कॉरपोरेट्स की बैलेंस शीट लंबे समय में सबसे स्वस्थ हैं और सरकार द्वारा सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देने के साथ, वे निवेश में निरंतर पुनरुद्धार के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। कंज्यूमर कांफिडेंस महामारी के बाद से बढ़ रहा है। हम सेवा क्षेत्र में निर्यात के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं; हमारा चालू खाता घाटा पूरी तरह से लिमिट के अंदर है; और हमने संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाया है।

वॉलमार्ट भारत से करेगी 10 अरब डॉलर का निर्यात

नई दिल्ली:

अमेरिका की प्रमुख रिटेल कंपनी वॉलमार्ट भारत को दुनिया के लिए सोर्सिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाएं तलाश रही है। इसी क्रम में कंपनी अगले साल 14 और 15 फरवरी को नई दिल्ली में मेगा सेलर्स समिट यानी विक्रेताओं के सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह वॉलमार्ट का अमेरिका के बाहर दूसरा और भारत में पहला वार्षिक कार्यक्रम होगा। करीब एक दशक तक कंपनी अपने वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका में करती रही थी, मगर पिछले अप्रैल में उसने मैक्सिको में इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। वॉलमार्ट की कार्यकारी उपाध्यक्ष (सोर्सिंग) एंड्रीया अल्ब्राइट ने कहा कि भारत में आयोजित होने वाला कार्यक्रम अमेरिका और मैक्सिको के कार्यक्रमों के मुकाबले काफी बड़ा होगा। निर्यात के लिए तैयार आपूर्तिकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी अपने दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत वैलेंटाइन डे पर करेगी। इस दौरान भारतीय कंपनियों और वॉलमार्ट के 50-60 अमेरिकी व्यापारियों को साथ लाने की योजना है।

एचपीसीएल अगले वर्ष से दूसरी कंपनियों से डीजल खरीदी बंद करेगी

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) आंध्र प्रदेश में अपनी विशाखापत्तनम रिफाइनरी का विस्तार पूरा करने और अगले वित्त वर्ष में राजस्थान में एक नई रिफाइनरी की स्थापना करने के बाद रिलायंस और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों से डीजल खरीदना बंद कर देगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश में करीब एक-चौथाई पेट्रोल पंप एचपीसीएल के हैं लेकिन उसके पास पेट्रोल तथा डीजल का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त तेल शोधन क्षमता नहीं है। इसलिए इसकी भरपाई के लिए वह मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), गुजरात में रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामानगर इकाइयों और नायरा की वाडिनार रिफाइनरी से उत्पाद खरीदती है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में परिसंपत्तियों की गुणवत्ता तथा क्षमता को मजबूत करने में पूंजीगत व्यय पर कंपनी के ध्यान देने के अब परिणाम आना शुरू हो गए हैं। कंपनी पहले ही अपनी मुंबई रिफाइनरी की क्षमता को 75 लाख टन से बढ़ाकर 95 लाख टन प्रति वर्ष कर चुकी है। विशाखापत्तनम इकाई का विस्तार करके उसकी क्षमता अगले साल तक 1.5 करोड़ टन तक की जाएगी।

दिग्गज कंपनियों के शेयर में गिरावट से लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही तेजी

मुंबई ।

रिलायंस, एचयूएल, टेक महिंद्रा, टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में गिरावट और ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले रुझानों के बीच गुरुवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 143 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी (निफ्टी) में भी 42 अंक की गिरावट देखी गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.26 प्रतिशत और 0.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स (सेंसेक्स) 143.41 अंक की गिरावट के साथ 64,832.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,046.56 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,768.76 तक आया। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी (निफ्टी) में भी 42.30 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,401.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,463.90 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,378.35 तक आया। गुरुवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 13 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एलएंडटी सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 4.09 फीसदी चढ़

गए। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 17 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एचयूएल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस और बजाज फाइनेंस सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स साबित हुए। सबसे ज्यादा नुकसान एचयूएल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.56 फीसदी गिर गए। इसके अलावा टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयरों में लगभग 0-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

वेदांत रिसोर्सेस की 2.5 अरब डॉलर तक जुटाने की योजना

मुंबई।

वेदांत रिसोर्सेस 2.5 अरब डॉलर तक जुटाने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी इसके लिए पश्चिम एशिया के विदेशी निवेशकों को तरजीही शेयर जारी करने और अधिक ब्याज वाले पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नए कर्ज लेने पर` विचार कर रही है। एक बैंकर का कहना है` कि समूह की होल्डिंग कंपनी वेदांत रिसोर्सेस रकम जुटाने के लिए वेदांत लिमिटेड में अपनी 63.71 फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर भी विचार कर रही है। इस महीने घोषित होने वाले ऋण और इक्विटी लेनदेन से समूह को उन बॉन्डों का अग्रिम नकद भुगतान करने में मदद मिलेगी जो अगले साल परिपक्व होने वाले हैं। वेदांत के एक अरब डॉलर के विदेशी बॉन्ड अगले साल 21 जनवरी को परिपक्व हो जाएंगे और इसके बाद 8 अगस्त को 95.1 करोड़ डॉलर के बॉन्ड परिपरक्व होंगे। मार्च 2025 में 1.2 अरब डॉलर और अप्रैल 2026 में 60 करोड़ डॉलर मूल्य के बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। बैंकरों ने कहा कि वीआरएल के सुरक्षित ऋणदाताओं ने बॉन्ड पुनर्गठन के दौरान अपनी सुरक्षित स्थिति को दिखाते हुए बेहतर पैकेज की तलाश के लिए असुरक्षित ऋणदाताओं से एक अलग समूह बनाया है।समूह की ट्विन स्टार होल्डिंग्स (टीएसएचएल) और वेल्टर ट्रेडिंग ने जनवरी 2021 और मार्च 2025 की गारंटी दी है। इसके अलावा वीआरएल ने भी गारंटी दी है। ये बॉन्ड वेदांत लिमिटेड के शेयरों के जरिए सुरक्षित हैं जबकि अगस्त 2024 के बॉन्ड असुरक्षित हैं।

टाटा पावर का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 9त्न बढ़कर हुआ 1,017 करोड़ रुपये

मुंबई। टाटा पावर ने बुधवार को चालू वित्तवर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1,017 करोड़ रुपये होने की घोषणा की, जबकि पिछले साल की समान अवधि में शुद्ध लाभ 935 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि उसने जाम्बिया में अपने पनबिजली संयंत्र की टैरिफ समस्या का समाधान कर लिया है और उसे जाम्बिया बिजली आपूर्ति निगम से 10.2 करोड़ डॉलर के लंबित बकाए का कुछ हिस्सा मिल गया है। टाटा पावर का स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो दूसरी तिमाही के दौरान 5,500 मेगावाट तक विस्तारित हो गया है और अब यह इसकी कुल स्थापित उत्पादन क्षमता का 38 प्रतिशत है।

एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में भारत का वृद्धि दर अनुमान 6 फीसदी बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत का वृद्धि दर अनुमान चालू वित्त वर्ष में छह प्रतिशत बरकरार रखा है। एसएंडपी ने एशिया-प्रशांत साख परिदृश्य-2024 में एक रिपोर्ट में कहा कि पूंजी की गहनता में सुधार, अनुकूल जनांकिकी और उत्पादकता वृद्धि सुधार के आवश्यक कारक हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वृद्धि का रिकॉर्ड मजबूत है। हमें उम्मीद है कि यह गति जारी रहेगी और वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की अर्थव्यवस्था छह प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। वित्त वर्ष 2024-2025 और 2025-26 में वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहेगी। इसमें कहा गया कि भारत की आर्थिक वृद्धि काफी हद तक दिख रही है। अमेरिका स्थित रेटिंग एजेंसी के अनुसार वृद्धि बाजार के भरोसे व राजस्व सृजन का समर्थन करती है। उसका मानना है कि ब्याज दरों की स्थिति अगले कुछ साल में भारत के ऋण के रुख के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। वृद्धि के अगले चरण को खोलने की चुनौतियों में श्रम बल की भागीदारी, जलवायु जुझारूपन तथा कारोबारी माहौल में और सुधार शामिल हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सेवा उद्योग की मजबूत वृद्धि पर निर्भर है। अर्थव्यवस्था में सेवाओं का प्रभाव समय के साथ बढ़ा है, जबकि कृषि तथा अन्य प्राथमिक उद्योगों ने आर्थिक हिस्सेदारी कम कर दी है। इसमें कहा गया कि हमें उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में सेवाओं की हिस्सेदारी और बढ़ेगी क्योंकि तुलनात्मक रूप से लाभ अब भी उस क्षेत्र में है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने भारत में खोए 28 लाख ग्राहक

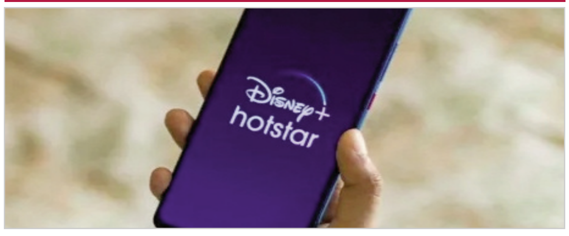

नई दिल्ली।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में 2.8 मिलियन ग्राहक खो दिए हैं। डिज्नी के सीईओ बॉब इगर ने कहा है कि इसके बावजूद वे भारतीय बाजार में बने रहना चाहेंगे। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के पास तीसरी तिमाही में 37.6 मिलियन ग्राहक थे, जो इस साल भारत में दूसरी तिमाही में 40.4 मिलियन से कम है। बुधवार देर रात तिमाही नतीजों के बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत में, इगर ने कहा कि भारत में, हमारा लीनियर व्यवसाय वास्तव में काफी अच्छा है। इगर ने विश्लेषकों को बताया, मैं जानता हूं कि मैंने यह पहले भी कहा है, इससे मुझे हमेशा परेशानी होती है। लेकिन हम अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास अपना हाथ मजबूत करने का अवसर है। यह अब शायद दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है या शायद अभी भी चीन के बाद दूसरे स्थान पर है और उनसे आगे निकलने वाला है। उन्होंने कहा कि कंपनी भारतीय बाजार में बने रहना चाहेगी। उन्होंने कहा, लेकिन हम यह भी देखना चाह रहे हैं कि क्या हम अपना हाथ मजबूत कर सकते हैं और जाहिर तौर पर अंतिम परिणाम में सुधार कर सकते हैं। विज्ञापन के संदर्भ में, हम वास्तव में पा रहे हैं कि लीनियर हमारी अपेक्षा से थोड़ा अधिक मजबूत है। सीईओ ने कहा, यह अभी भी एक चुनौती है, लेकिन यह उतना बुरा नहीं है जितना पहले था।

इसलिए, हमने कुछ मामूली सुधार देखे है। दरअसल, टेक सेक्टर अभी भी कुछ हद तक कमजोर है। लेकिन सामान्य तौर पर कुल मिलाकर विज्ञापन में सुधार हुआ है। 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की स्ट्रीमिंग के साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार भारत में चल रहे त्योहारी तिमाही में अधिक ग्राहक बनाने के लिए तैयार है। वैश्विक स्तर पर तिमाही और वर्ष के दौरान वॉल्ट डिज्नी कंपनी के राजस्व में 5 प्रतिशत और 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डिज्नी प्लस ने इस तिमाही में लगभग 7 मिलियन कोर ग्राहक जोड़े।

वैश्विक बाजार में चीनी की कीमत 12 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमत 28 सेंट प्रति पाउंड से बढ़कर 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। भारत से निर्यात में भारी गिरावट और ब्राज़ील में लॉजिस्टिक समस्याओं के कारण चीनी की आपूर्ति में कमी देखी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमत लगातार कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच रही है।अंतर्राष्ट्रीय चीनी संगठन द्वारा अनुमानित 15-दिवसीय औसत कीमत हाल के हफ्तों में 26 सेंट से ऊपर रही है। भारत ने चीनी पर निर्यात प्रतिबंध बढ़ा दिया है। यहां भाव बढ़ने के बाद ऐसा किया गया है। सरकार चाहती है कि कीमत नियंत्रण में रहे, खासकर त्योहारी सीजन के दौरान। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और निर्यात में कटौती का असर वैश्विक बाजार पर पड़ता है। भारत ने मिलों को 2022-2023 सीज़न के दौरान केवल 6.2 मिलियन टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी थी, जो 30 सितंबर को समाप्त हुआ।देश में इस साल 2018 के बाद से सबसे कमजोर मानसून देखा गया है और चालू सीजन में गन्ने के उत्पादन में गिरावट की आशंका है, जिससे कीमत बढ़ने का असर मुद्रास्फीति पर पड़ सकता है। व्यापार अनुमान के अनुसार, भारत में चीनी की कीमत दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 5-8 प्रतिशत बढ़ी है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के अनुसार, 2023-24 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 8 प्रतिशत गिरकर 33.7 मिलियन मीट्रिक टन होने की संभावना है। इस बात को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि कुछ चीनी को इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। चीनी मिलों ने पिछले विपणन वर्ष में इथेनॉल उत्पादन के लिए 4.1 मिलियन टन चीनी का उपयोग किया था और इस वर्ष भी इतनी ही मात्रा आवंटित की जा सकती है। इससे व्यापार जगत में यह आशंका पैदा हो गई है कि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार चालू सीजन में चीनी का निर्यात बंद भी कर सकती है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक ब्राजील लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना कर रहा है। वहां के बंदरगाह एक अड़चन बनकर उभरे हैं। जहाजों को लोड करने का समय बढ़ गया है और बंदरगाहों पर स्टॉक जमा हो रहा है।

उधर सोया की फसल भी आने से समस्या और भी बदतर हो गई है क्योंकि रेलवे और बंदरगाह दोनों ही बुनियादी ढांचे खेप को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

इस साल के शुरुआती 9 महीनों मे दोगुने बिके लग्जरी घर

नई दिल्ली:

बुधवार को जारी रियल एस्टेट कंसल्टेंसी सीबीआरई की एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में 4 करोड़ रुपए या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2023 के पहले नौ महीनों में 97 प्रतिशत बढ़ी है।

भारत के शीर्ष सात शहरों में इस साल 9,200 लक्जरी घर बेचे गए, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 4,700 था। कंसल्टेंसी ने अपने इंडिया मार्केट मॉनिटर क्त३ 2023 में कहा कि इस साल त्योहारी सीजन में घरों की बिक्री तीन साल में सबसे ज्यादा होने की उम्मीद है। 2021 में 114,500 इकाइयों और 2022 में 147,300 इकाइयों की तुलना में, इस साल घरेलू बिक्री 150,000 इकाइयों से अधिक होने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद टॉप शहर

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद बिक्री पर हावी होने वाले शीर्ष तीन बाजारों के रूप में उभरे हैं, जो शीर्ष सात शहरों में कुल लक्जरी आवास बिक्री का लगभग 90 प्रतिशत है। दिल्ली-एनसीआर 37 प्रतिशत (3,409 यूनिट) की हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रहा।

इसके बाद मुंबई, हैदराबाद और पुणे का स्थान रहा, जिनकी हिस्सेदारी क्रमशः 35 प्रतिशत (3,252 इकाई), 18 प्रतिशत (1,660 इकाई) और 4 प्रतिशत (332 इकाई) थी। जनवरी-सितंबर के दौरान बिकीं 230,000 से अधिक इकाइयां जनवरी-सितंबर के दौरान सभी मूल्य श्रेणियों में घरों की कुल बिक्री 230,000 इकाइयों से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करती है। घरों की बिक्री में मध्य-अंत परियोजनाओं का वर्चस्व रहा, जो कुल बिक्री का लगभग आधा हिस्सा था, इसके बाद उच्च-अंत और किफायती परियोजनाएं थीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैक्सवेल की पारी याद कर टूर्नामेंट में आगे बढ़ती रहे ऑस्ट्रेलियाई टीम : रिकी पोंटिंग

पुणे। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि वह चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान के खिलाफ ग्लेन मैक्सवेल की 128 गेंदों में नाबाद 201 रनों की आश्चर्यजनक पारी से भरपूर विश्वास ले और इसे अपनी छठी जीत के लिए एक प्रेरणादायक क्षण के रूप में उपयोग करे।वानखेड़े स्टेडियम में 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 91/7 रन पर संकट में था, जब मैक्सवेल ने पैट कमिंस के साथ मिलकर 202 रन की मैच जिताऊ अविजित साझेदारी की।कप्तान ने केवल 12 रनों का योगदान दिया, जबकि मैक्सवेल ने केंद्र स्तर पर कदम रखा, हैमस्ट्रिंग से जूझते हुए अकेले ही सर्वकालिक महान एकदिवसीय पारी खेलकर मैच जीत लिया। आईसीसी ने पोंटिंग के हवाले से कहा, ÷उनके पास बड़े क्षणों को जीतने में सक्षम होने की क्षमता है और आज एक बड़ा क्षण था क्योंकि वे अब विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और उम्मीद है कि वे आगे और ऊपर जाएंगे। मुंबई में मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के पहले गैर-सलामी बल्लेबाज और वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले व्यक्ति भी बने।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप

परनीत ने ज्योति को हराकर जीता स्वर्ण

बैंकॉक

अठारह वर्षीय परनीत कौर ने गुरुवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पांच सेटों की समाप्ति पर दोनों तीरंदाज 145 पर बराबरी पर थीं , जिसके बाद परनीत ने शूट-ऑफ में ज्योति को 9-8 से हरा दिया। क्वालीफाइंग राउंड में चौथे स्थान पर रही परनीत ने पहले कजाकिस्तान के लियान विक्टोरिया को 147-145 से हराया था, जबकि ज्योति ने चीनी ताइपे के हुआंग आई-जौ को 148-145 से हराकर फाइनल में जगह बनाई । मौजूदा दोहरी विश्व तीरंदाजी चैंपियन अदिति गोपीचंद स्वामी क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं लेकिन तीसरे दौर में उन्हें उलटफेर का सामना करना पड़ा। हालांकि परनीत, ज्योति और अदिति की तिकड़ी ने फाइनल में चीनी ताइपे की वांग लू-यून, चेन यी ह्वान, हुआंग आई-जौ पर 234-233 की जीत के साथ महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।अदिति ने अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश के साथ मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रोमांचक स्वर्ण पदक मैच में थाईलैंड के कनोकनापस केवचोम्फू और लेर्ट्रुांगसिल्प नवायुत को 156-151 के स्कोर से हराकर जीत हासिल की। पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा में एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता अभिषेक वर्मा ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के आंद्रे ट्युटुन से हारने के बाद कांस्य पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया के जू जाहून पर 147-146 की मामूली जीत दर्ज की। भारत ने गुरुवार को पांच पदक जीते, जिससे एशियाई चैंपियनशिप में अंतिम पदकों की संख्या सात हो गई। जिसमें तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य शामिल हैं।

इससे पहले टूर्नामेंट में भारतीय महिला रिकर्व और पुरुष कंपाउंड टीमों ने बुधवार को कांस्य पदक जीते थे।एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 भी भारतीय रिकर्व तीरंदाजों के लिए एक ओलंपिक क्वालीफायर था, जिसमें

प्रति जेंडर स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम ने तीरंदाजी में पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा अर्जित किया था।भारत किसी भी कोटा स्थान को सुरक्षित करने में विफल रहा क्योंकि पुरुष और महिला दोनों रिकर्व टीमें स्वर्ण पदक जीतने में विफल रहीं। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के बाद 9 से 12 नवंबर तक उसी स्थान पर तीरंदाजी के लिए एशियाई व्यक्तिगत ओलंपिक क्वालीफायर होंगे। प्रत्येक पुरुष और महिला रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में व्यक्तिगत क्वालीफायर के पास दो ओलंपिक कोटा (प्रति देश एक) होंगे।

बोल्ट विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बने

बेंगलुरु।

ट्रेंट बोल्ट गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बन गए। टिम साउदी 38 विकेट के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। बोल्ट अब ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क के बाद विश्व कप इतिहास में 50 या अधिक विकेट लेने वाले तीसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जो 19.74 पर 59 विकेट के साथ चार्ट में सबसे आगे हैं। स्टार्क के उनसे आगे निकलने से पहले पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम के नाम यह रिकॉर्ड था। अकरम ने 23.83 की औसत से 55 विकेट लिए। इस बीच बोल्ट बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने के लिए चामिंडा वास (49) को पीछे छोड़ गए। बोल्ट 50 से अधिक वनडे विश्व कप विकेट लेने वाले कुल छठे गेंदबाज भी बन गए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा 18.19 की औसत से 71 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया

मुरलीधरन 19.63 की औसत से 68 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लसित मलिंगा के नाम 56 विकेट हैं जबकि, स्टार्क के नाम 59 विकेट हैं। अकरम 55 विकेट के साथ सूची में पांचवें और बोल्ट 52 विकेट के साथ छठे स्थान पर हैं। मौजूदा विश्व कप में बोल्ट ने अब तक 9 मैच खेलते हुए 11 विकेट लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की महिला कप्तान मेग लैनिंग ने संन्यास की घोषणा की

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया की महिला कप्तान मेग लैनिंग ने दुनिया को उस वक्त चौंका दिया जब उन्होंने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। दो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी और पांच आईसीसी महिला टी20 विश्व कप खिताब की विजेता लैनिंग ने अपने देश के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाने के बाद 31 साल की उम्र में खेल से संन्यास ले लिया। लैनिंग ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूर जाने का निर्णय लेना कठिन था, लेकिन मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं 13 साल के अंतर्राष्ट्रीय करियर का आनंद लेने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली रही हूं, लेकिन मुझे पता है कि अब मेरे लिए कुछ नया करने का सही समय है। टीम की सफलता के कारण ही आप खेल खेलते हैं, मैं जो करने में सक्षम हूं उस पर मुझे गर्व है और रास्ते में टीम के साथियों के साथ साझा किए गए क्षणों को संजोकर रखूंगी। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार, अपने साथियों, क्रिकेट विक्टोरिया, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन को मेरे पसंदीदा खेल को उच्चतम स्तर पर खेलने की अनुमति देने में उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं उन सभी प्रशंसकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे पूरे अंतर्राष्ट्रीय करियर में मेरा समर्थन किया है। लैनिंग का पहला आईसीसी खिताब 2012 में श्रीलंका में टी20 विश्व कप था और इसके बाद 2013 में भारत में 50 ओवर का विश्व कप खिताब जीता। लैनिंग ने 2014 की शुरुआत में जोड़ी फील्ड्स से कप्तानी की बागडोर

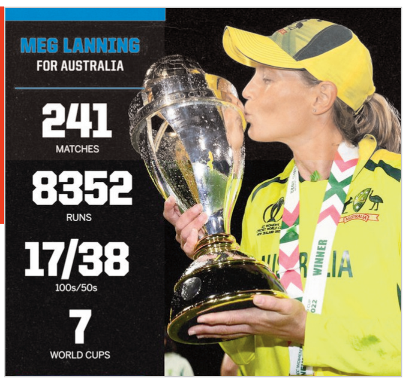

ली और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 182 मौकों पर आत्मविश्वास के साथ अपने देश का नेतृत्व कर स्वर्णिम दौड़ के दौरान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए पांच आईसीसी खिताब जीते। लैनिंग को 2014 में आईसीसी महिला टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर नामित किया गया था और अगले वर्ष आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। लैनिंग की निगरानी में ऑस्ट्रेलिया ने और भी खिताब जीते और इस खतरनाक कप्तान ने अपने देश को बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक भी दिलाया। लैनिंग ने अपना करियर कुल 17 अंतर्राष्ट्रीय शतकों के साथ समाप्त किया जिनमें से 15 वनडे क्रिकेट में आए और 2017 में ब्रिस्टल में श्रीलंका के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ 152* रन की पारी भी खेली। 15 शतकों की यह संख्या महिला वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक है। लैनिंग का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच तब था जब उन्होंने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में अपने देश को टी20 विश्व कप खिताब दिलाया था। छह टेस्ट मैचों में लैनिंग ने 31.36 की औसत से 345 रन बनाए जिसमें 93 का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर और दो अर्धशतक शामिल हैं। 103 वनडे मैचों में उन्होंने 53.51 की औसत से 4,602 रन बनाए। लैनिंग ने 102 पारियों में 15 शतक और 21 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152* था। अंत में 132 टी20आई में लैनिंग ने 121 पारियों में 36.61 की औसत और 116 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 3,405 रन बनाए। उन्होंने 133* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ दो शतक और 15 अर्द्धशतक भी बनाए।

संक्षिप्त समाचार

शतक से ज्यादा खुशी तो बेन स्टोक्स को इंग्लैंड की जीत से मिली

पुणे । इंग्लैंड को दूसरी जीत दिलाने वाले हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स का कहना है कि उन्हें शतक बनाने से ज्यादा खुशी तो इंग्लैंड की जीत से हुई। गौरतलब है कि नीदरलैंड के खिलाफ 84 गेंद में 108 रन की आक्रामक पारी खेल कर आईसीसी वनडे विश्व कप में बेन स्टोक्स इंग्लैंड को दूसरी जीत दिलाई है। बेन स्टोक्स ने बुधवार को यहां कहा कि उन्हें अपनी शतकीय पारी से टीम के जीत की राह पर लौटने की खुशी है। गत चैम्पियन इंग्लैंड की यह लगातार 5 हार के बाद पहली जीत है। खिताबी दौड़ से पहले ही बाहर होने के बाद भी टीम के लिए इस जीत के काफी मायने है क्योंकि विश्व कप की तालिका में शीर्ष 8 स्थान पर रहने वाली टीमें चैम्पियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड 10वें स्थान पर था लेकिन नीदरलैंड पर 160 रन की जीत से टीम 7वें पायदान पर पहुंच गई। इंग्लैंड ने 339 रन बनाने के बाद नीदरलैंड को 179 रन पर आउट कर दिया। मैच समाप्त होने के बाद मैन ऑफ द मैच स्टोक्स ने कहा कि मुझे शतक से ज्यादा इस बात की खुशी है कि टीम जीत की राह पर लौटी है। हमारे लिए यह विश्‍व कप मुश्किल रहा लेकिन इस जीत और शतक को देखकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी। मुझे पता था कि यहां गेंद को टेनिस बॉल की तरह उछाल मिलती है। मेरी योजना आखिरी ओवरों तक बल्लेबाजी करने की थी। इंग्लैंड को इस मैच में सलामी बल्लेबाज डाविड मलान ने 10 चौके और 2 छक्के की मदद से 74 गेंद में 84 रन की पारी खेल तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद स्टोक्स को आखिरी ओवरों में क्रिस वोक्स (45 गेंद में 51 रन) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 81 गेंद में 129 रन की आक्रामक साझेदारी की।

रऊफ इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे

कोलकाता । पाकिस्तान टीम प्रबंधन के अनुसार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को पिछले मैच में खिंचाव आ गया है, पर वह इसके बाद भी इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच तक फिट हो जाएंगे। पाक को विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम ग्रुप लीग मैच खेलना है। पाकिस्तान के मीडिया मैनेजर उमर फारूक ने कहा, 'हारिस की पसली का एमआरआई किया गया और उनकी रिपोर्ट सही है। यह परीक्षण इसलिए किया गया क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में खेले गए पिछले मैच के बाद उनकी बाईं पसली में दर्द उठा था। रऊफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्द के बाद भी पूरे 10 ओवर किए थे जिसमें उन्होंने 85 रन देकर एक विकेट लिया था। पाकिस्तान ने डकवर्थ लुईस पद्धति के आधार पर यह मैच 21 रन से जीत कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। उमर ने कहा कि सिर में चोट लगने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर रहे ऑलराउंडर शादाब खान के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उनकी जांच के बाद ही तय होगा कि वह खेलेंगे या नहीं ।

विराट का मजाक उड़ाने पर वॉन ने मोहम्मद हफीज को दिया जवाब

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने इसका जवाब देते हुए पुराने` दिन याद` दिलाकर कोहली का कद ऊंचा कर` दिया। बुधवार को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में नीदरलैंड बनाम इंग्लैंड मैच के दौरान बेन स्टोक्स ने शतक बनाकर थ्री लायंस को 339 के स्कोर तक पहुंचाया। 84 गेंदों में उनकी 108 रन की पारी ने खेल की दिशा तय कर दी, जिससे इंग्लैंड को जीत मिली थी। दबाव में असाधारण प्रदर्शन करने के लिए स्टोक्स की सराहना करते हुए, साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में विराट के शतक को स्वार्थी दृष्टिकोण बताते हुए परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए हफीज ने एक्स पर पोस्ट किया कि जहाज के रक्षक बेनस्टोक्स, दबाव में पारी की शुरुआत करना अच्छा है। अंत में टीम को जीत दिलाने के लिए अधिकतम रन बनाने के लिए आक्रामक इरादे की आवश्यकता है। स्वार्थी बनाम निःस्वार्थ दृष्टिकोण को अलग करने का सरासर उदाहरण है। इधर जैसे ही हफीज का यह ट्वीट आया, वॉन ने इस पर कमेंट करने में देर नहीं लगाई। वॉन ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें विराट कोहली गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं और वह

हफीज को बोल्ड आऊट करने का जश्न मनाते दिख रहे हैं। यह मुकाबला 2012 का है जब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने थीं। वॉन ने फोटो के साथ लिखा कि मुझे लगता है मोहम्मद हफीज आपको विराट कोहली ने बोल्ड किया है, क्या यही कारण है कि आप लगातार उस पर गुस्सा करते हैं। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विराट की पारी काफी खास थी क्योंकि उन्होंने अपने 35वें जन्मदिन पर अपना 49वां वनडे शतक बनाया था। इसी शतक के साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की।

इंग्लैंड ने चीजों को सही करने की प्रतिबद्धता और इच्छा दिखाई है : बटलर

पुणे। इंग्लैंड 2023 विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर है, लेकिन कप्तान जोस बटलर ने कहा कि उनकी टीम ने नीदरलैंड्स को 160 रन से हराकर खुद को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता और इच्छा दिखाई है। बुधवार को इंग्लैंड ने नीदरलैंड्स पर बड़ी जीत के साथ पांच मैचों की हार का सिलसिला खत्म किया। इस प्रक्रिया में इंग्लैंड अंक तालिका में सबसे नीचे से ऊपर आने में कामयाब रहा और अब चार अंकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया है। मुझे लगा कि हर कोई निराश था, लेकिन सभी खिलाड़ी डटे रहे, हर कोई वास्तव में कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे लगता है कि हम बस वहीं टिके रहे और खुद पर भरोसा किया। वही संदेश देने की कोशिश करते रहें और जिस शैली में हम खेलना चाहते हैं। इंग्लैंड का अंतिम विश्व कप मैच 11 नवंबर को कोलकाता में पाकिस्तान के खिलाफ है। बटलर इसे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में प्रवेश के लिए एक महत्वपूर्ण मैच के रूप में देखते हैं। यह हमारे लिए बहुत बड़ा मैच है। हमने इस पूरी यात्रा में वैसा प्रदर्शन नहीं किया जैसा हम चाहते थे,

भारत- पाक में हो सकता है सेमीफाइनल : गांगुली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि विश्वकप मे भारत और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल हो सकता है। पाक ने लगातार 4 मैच हारने के बाद वापसी की है और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। गांगुली को उम्मीद है कि भारत और पाक ही विश्वकप के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। गांगुली ने कहा, मुझे उम्मीद है कि पाक टीम भी भी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी क्योंकि ये सबसे बड़ा मैच होगा। गांगुली ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा, विराट महान खिलाड़ियों में से एक है। ईडन गॉर्डन में उनका 49 वां शतक देखकर खुशी हुई। वहीं हालात पाक के खिलाफ नजर आते हैं क्योंकि नेट रन रेट में न्यूजीलैंड की टीम पाक से काफी आगे चल रही है। ऐसे में पाक के लिए सेमीफाइनल की राह आसान नहीं है। इस समय पाकिस्तान का नेट रन रेट 0.036 है जबकि न्यूजीलैंड 0.398 नेट रन रेट के साथ ही काफी आगे है। वहीं अगर न्यूजीलैंड टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करती है तो पाक इंग्लैंड के खिलाफ 130 रन से जीत की जरुरत होगी जो आसान नहीं है। वहीं अगर दोनों टीमें जीत जाती है तो फिर नेट रन रेट के अनुसार सेमीफाइनल का फैसला होगा। वहीं पाक और न्यूजीलैंड की टीम अगर अपने अगले मुकाबले में हार जाती है और अफगानिस्तान अपना अगला मुकाबला दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ जीत जाती है तो वह अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी।

भारत पर उलटफेर भरी जीत हासिल कर सकते हैं : तेजा निदामानुरु

पुणे,

हालांकि नीदरलैंड 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से बाहर हो गया है, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज तेजा निदामानुरु का मानना है कि उनकी टीम रविवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत पर उलटफेर भरी जीत हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि मजेदार बातें खेल में हुई हैं।इंग्लैंड से 160 रनों की हार के बाद नीदरलैंड्स की सेमीफाइनल की उम्मीदें खत्म हो गईं और अब वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनाने के लिए रविवार को बेंगलुरु में भारत पर जीत की जरूरत है, जो इस समय प्रतियोगिता में अजेय है, और यह जीत 2025 चैंपियंस ट्रॉफी क्वालीफिकेशन के लिए जरूरी है।यह क्रिकेट का खेल है। इसलिए, यह संभव हो सकता है। हम अपने ब्रांड का क्रिकेट खेलते हैं। हम वही करते हैं जो हम अच्छा करते हैं। हमारे पास गेंद के कुछ बेहतरीन पैंतरे हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो स्पिन को अच्छी तरह से खेल सकते हैं। हमारे पास ऐसे लोग भी हैं जो विकेट ले सकते हैं। यह वास्तव में स्पष्ट है कि आपको थोड़े से भाग्य की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे एक बहुत मजबूत टीम हैं और वे बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन खेल में मजेदार चीजें हुई हैं। यकीनन कॉम्प में सर्वश्रेष्ठ टीम से खेलने के लिए मौका मिलना कुछ ऐसा है जिससे हम बहुत उत्साहित हैं और यह हमारे लिए एक और अवसर है। निदामनुरु ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हर बार जब हम पार्क में कदम रखते हैं, तो हम अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे होते हैं, विशेष रूप से विश्व कप में और उस यात्रा के दौरान जो हमने किया है। हम किसी भी मैच को अपने ऊपर नहीं लेते हैं। मैं

निश्चित रूप से भारत के खिलाफ रविवार को वहां पहुंचने के लिए उत्सुक हूं। नीदरलैंड ने भी बेन स्टोक्स का मौका गंवा दिया, जब उन्हें 41 रन पर आर्यन दत्त की गेंद पर लोगान वैन बीक ने फाइन लेग पर जीवनदान दिया। इंग्लैंड के करिश्माई ऑलराउंडर ने अंततः 84 गेंदों पर 108 रन बनाए और जीत का आधार तैयार किया।

कमाई में भी अव्वल हैं मैक्सवेल

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ आतिशी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले ऑस्ट्रिलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल कमाई में भी आगे हैं। मैक्सवेल ने अपने दोहरे शतक से टीम को रोमांचक जीत दिलायी थी। तेजी से रन बनाने की तरह ही मैक्सवेल पैसे भी कमाते हैं। मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह से उन्हें भारी कमाई होती है. उन्होंने अपने अब तक के सफर में जमकर संपत्ति बनायी है। मैक्सवेल की आय ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम, आईपीएल और विज्ञापनों से होती है। इसके अलावा उनके पास काफी अचल संपत्ति है। वह निवेश से भी हैं कमाई करते हैं। इस प्रकार उनकी कुल कमाई करीब 98 करोड़ रुपये है। उनकी मासिक आय करीब 1.5 करोड़ रुपये है। वहीं, उनकी सालाना आय 18 करोड़ रुपये के करीब है। हर एकदिवसीय मैच के लिए उन्हें 8.5 लाख रुपये मिलते हैं। हर टी-20 मैच 5.6 लाख रुपये और टेस्ट मैच के लिए 11 लाख रुपये मिलते हैं। मैक्सवैल ने आईपीएल के 14 सीजन में 63 करोड़ रुपये कमाए हैं। आईपीएल में उन्होंने कई अलग फ्रेंचाइजी से खेला है। इनमें मुंबई इंडियन्स, दिल्ली डेयरडेविल्स, किंग्स इलेवन आदि हैं। आईपीएल 2022 में बेंगलुरु की टीम ने 11 करोड़ रुपये देकर उन्हें रिटेन किया था। उनके पास 10 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उनके पास कई देशों में रियल एस्टेट प्रॉपर्टी है। वह ऑस्ट्रेलिया में एक लग्जरी घर में रहते हैं। उनके पास 7 करोड़ रुपये की कार हैं। वह 2016 में सालाना 6 करोड़ रुपये कमा रहे थे और 2023 तक उनकी सालान कमाई बढ़कर 18 करोड़ रुपये हो गई।

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।
शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्रचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।
इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।
बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि -

ऊँ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ऊँ नमः।

विधि - सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है- 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है
धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।
इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दु:ख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दु:ख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दु:खी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-
कुबेर देव का मंत्र-
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।
यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें-
जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।
इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णापक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रुप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

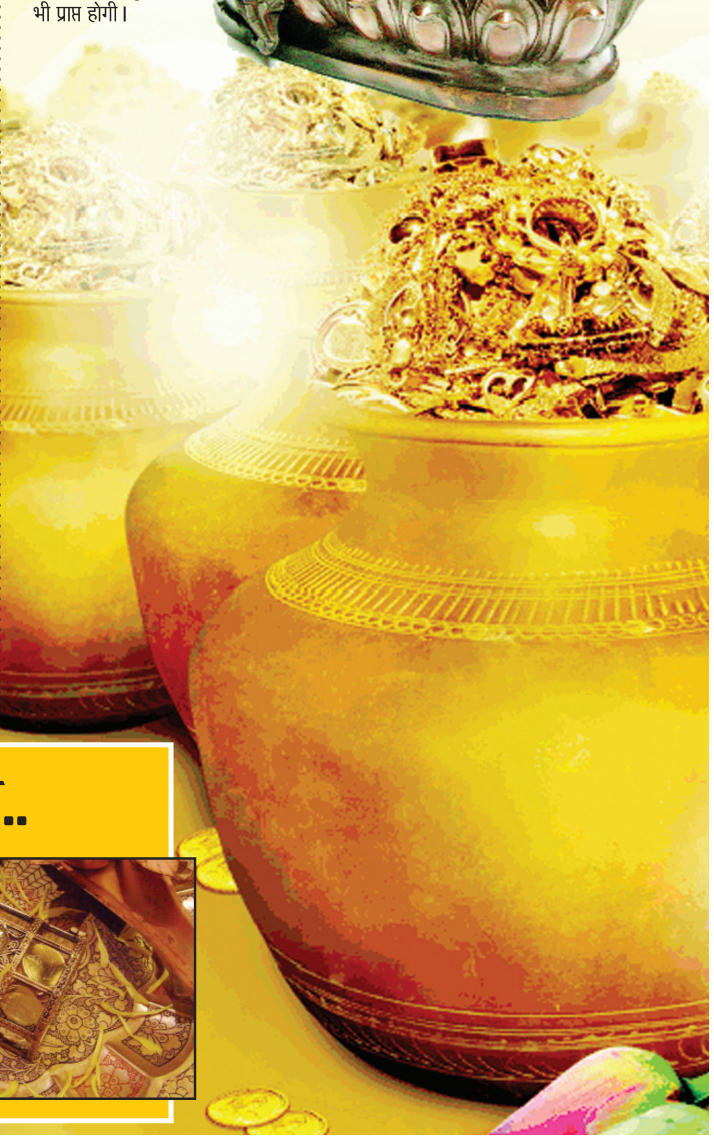

भगवान कुबेर विसराव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।
आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।
समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।
कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-
-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।
निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-
कुबेर मंत्र -
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिलिस्तीनी झंडा लेकर सड़कों पर उतरे लोग, गाजा पट्टी में संघर्ष विराम की मांग

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में फिलिस्तीनी झंडे को लेकर सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और गाजा में युद्धविराम की जोरदार मांग करते हुए नारे लगाए। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को हुए इस प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी 'फिलिस्तीन को आजाद करो', 'अभी संघर्ष विराम करो' और 'नरसंहार बंद करो' के नारे लगा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्ट ले रखा था, जिस पर 'नेतन्याहू और बिडेन युद्ध अपराधी' और 'इज़रायल एक आतंकवादी देश है, जो खुले तौर पर नरसंहार कर रहा है' लिखा हुआ था। इस दौरान यह विरोध प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की इमारत से होकर गुजरा और फिर 42वीं स्ट्रीट के साथ डाउनटाउन मैनहट्टन की ओर मुड़ गया। प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, लेकिन किसी झड़प या गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। यहां गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार, इज़रायल-हमास संघर्ष के कारण में 10,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह संघर्ष 7 अक्टूबर को हमास की ओर से इजरायल में हमला करने के बाद शुरू हुआ था। हमास की ओर से किए गए हमले में 1,400 लोग मारे गए थे।

व्हाइट हाउस ने भारत को बताया प्रमुख रणनीतिक साझेदार

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने भारत को प्रमुख रणनीतिक साझेदार बताते हुए दुनिया में होने वाले संकट पर रुख स्पष्ट करने के लिए जोर दिया है। व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि भारत हमेशा से अमेरिका का प्रमुख रणनीतिक साझेदार रहा है और अब यह नयी दिल्ली को तय करना है कि मध्य-पूर्व सहित दुनिया के किसी भी कोने में किसी विशेष संकट या आकस्मिक स्थिति पर उसका क्या रुख होगा। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संवाद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि भारत एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है और मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां आए थे, तब आप इस बात को अच्छे से देख और महसूस कर चुके हैं। किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मध्य-पूर्व सहित दुनिया के किसी भी कोने में कोई संकट पैदा होता है, तो उस पर अपना रुख तय करने का जिम्मा हम भारत की सरकार और उसके प्रधानमंत्री पर छोड़ेंगे। किर्बी ने यह भी कहा कि भारत एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार बना हुआ है और हम हर दिन इस साझेदारी को मजबूत करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय छात्र पर अमेरिकी जिम में किया चाकू से हमला, हुई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के इंडियाना राज्य में स्थित एक फिटनेस सेंटर में भारतीय छात्र की हमले में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 24 वर्षीय भारतीय छात्र पर चाकू से हमला किया गया, जिसने बाद में दम तोड़ दिया। छात्र जिस विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा था वहीं से यह जानकारी दी गई है। वलपरासियो विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान के छात्र वरुण पर 29 अक्टूबर को एक जिम में हमलावर जॉर्डन एंड्राड ने चाकू से हमला किया था, जिसमें छात्र के सिर में चोट आई थी। अधिकारी हमले की वजह का पता लगा रहे हैं। घटना के बाद हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने आरोपी पर धारदार हथियार से हमला करने और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। इधर विश्वविद्यालय ने बताया, विश्वविद्यालय लगातार वरुण के परिवार के संपर्क में है और जहां तक संभव होगा हम सहायता और समर्थन जारी रखेंगे ताकि परिजन इस अत्यंत मुश्किल समय में आगे बढ़ सकें। विश्वविद्यालय परिसर में 16 नवंबर को वरुण के लिए स्मृति सभा के आयोजन की योजना बनाई जा रही है।

इजरायल-हमास जंग में 10,500 लोगों की मौत,इजराइज हमास की सुरंगों को तबाह करना शुरु किया

तेल अवीव । इजरायल-हमास के बीच लगातार 33 दिन से जंग जारी है। इजरायली सेना गाजा पट्टी में ताबड़तोड़ हमला कर रही है, इसका खामियाजा आम लोगों को भी भुगतना पड़ रहा है। इजरायली सेना के हमले में अभी तक 10,500 लोगों की मौत हो चुकी है। हमास ने दावा किया कि इजरायल ने राफा क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा पट्टी से मिस्र तक घायल फिलिस्तीनियों या विदेशियों की निकासी भी रोक दी है। हमास के एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल द्वारा निकाले जाने वाले घायलों की सूची को मंजूरी देने से इनकार करने के कारण क्रॉसिंग पॉइंट बंद रहा। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्धविराम के अंतरराष्ट्रीय आह्वान को फिर से खारिज कर कहा है कि हमास को पहले सभी बंधकों को रिहा करना होगा। वहीं इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा शहरों पर अपने हमले का वीडियो शेयर कर दावा किया कि वे हमास के बुनियादी ढांचे और उनके लड़ाकों द्वारा इस्तेमाल की जा रही सुरंगों को निशाना बना रहे थे।

रुस ने कंगाल पाकिस्तान से मांग अपने हेलीकॉप्टर

मॉस्को ।पिछले 624 दिनों से रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। संघर्ष लंबा खिंचने के कारण रूस मुश्किल स्थिति में है। रुस ने अपने सैन्य हथियारों को फिर से हासिल करने की कोशिशों में पूर्व रक्षा सहयोगियों की ओर रुख किया है। इस कड़ी में मॉस्को ने विशेष रूप से भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित किया है, जो कई वर्षों से रूस से सैन्य उपकरण खरीद रहा है। रिपोर्ट के अनुसार रूस ने इस्लामाबाद से हेलीकॉप्टर इंजन वापस करने को कहा है। ये एआई-35एम हेलीकॉप्टर के आवश्यक हिस्से हैं, जिसका यूक्रेन में व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। हालाँकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने ऐसी खबरों को खारिज कर कहा है कि रूस ने इसतरह के किसी अनुरोध के साथ उससे संपर्क नहीं किया है। रिपोर्ट से साफ होता है कि रूस यूक्रेन युद्ध के बीच सैन्य प्रयासों में तत्काल सहायता तलाश रहा है। रुस को अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधनों से कड़ी टक्कर मिल रही है। जंग के बीच रूस के रक्षा उद्योग पर भी व्यापक प्रभावों के संकेत हैं। इसलिए रूस ने पाकिस्तान से अपने हेलीकॉप्टर इंजन की मांग की है।

अंतरिक्ष में एलियंस के होने की संभावना बरकरार

-वैज्ञानिकों ने किया फिर किया बड़ा दावा

वाशिंगटन ।अंतरिक्ष में कोई ऐसा ग्रह है, जहां एलियंस के होने की संभावना है। इसी को लेकर वैज्ञानिकों ने बड़ी जानकारी दी है। वैज्ञानिको का कहना है कि यूरेनस पर इन्फ्रारेड नादर्न लाइट्स यानी अरोरा देखी गई, जो संभावित एलियंस के होने का सबूत दे सकती है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने अरोरा को तब देखा जब वे सौर मंडल में गैस के बड़े-बड़े गोले के तापमान पर स्टडी कर रहे थे। इससे शोधकर्ताओं को यह पता लगाने में मदद मिलने की संभावना है कि क्या पृथ्वी के अलावा भी कोई ऐसा ग्रह है जहां दुनिया बसी हुई है? खोज के बारे में बताते हुए लीसेस्टर विश्वविद्यालय की एम्मा थॉमस, जो इस स्टडी की प्रमुख लेखिका भी है, उन्होंने कहा, 'यूरेनस का तापमान मॉडल अनुमान से सैकड़ों डिग्री केल्विन/सेल्सियस अधिक है। यह हमारे सामने बड़ा प्रश्न है कि ये ग्रह अपेक्षा से अधिक गर्म कैसे हो सकता है।'

उन्होंने कहा, फ़यूरेनस के अरोरा का विश्लेषण करके हम यहां के वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्रों पर स्टडी कर सकते हैं, साथ ही नए जीवन के बसने का पता भी लगा सकते हैं। शोधकर्ता ने कहा, 'बर्फ के विशाल अरोरा के बारे में हमारा ज्ञान व्यापक होगा और हमारे सौर मंडल, एक्सोप्लैनेट और यहां तक कि हमारे अपने ग्रह में ग्रहों के चुंबकीय क्षेत्रों के बारे में हमारी समझ मजबूत होगी।' वैज्ञानिकों ने इस साल की शुरुआत में बताया था कि उन्हें यूरेनस की परिक्रमा करने वाले 27 चंद्रमाओं में से 2 के सतहों के नीचे सक्रिय महासागरों के होने की संभावना नजर आई है।

इन समंदरों में हैरान कर देने वाली चीजों का पता लगा है, यानी यहां एलियंस की उपस्थिति की संभावना बताई गई है। प्रमुख वैज्ञानिक मिशेल डौघर्टी का दावा है कि बृहस्पति के ठंडे चंद्रमाओं में से किसी एक पर जीवन की संभावना है, अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह आश्चर्यजनक होगा। बता दें कि अंतरिक्ष रहस्यों से भरा है, यहां वैज्ञानिक अलग दुनिया की खोज में लगे हुए हैं। शोधों के द्वारा ब्रम्हांड के बारे में नीत नई जानकारी हासिल होते रहती है।

अयोलास, पैराग्वे में भारी बारिश के कारण पराना नदी के किनारों पर पानी भर जाने के बाद लोग बाढ़ वाले क्षेत्र में नाव में यात्रा कर रहे हैं।

रामास्वामी ने निक्की हेली और रॉन डेसेंटिस पर किया हमला

वाशिंगटन ।रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के दावेदार विवेक रामास्वामी ने संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत निक्की हेली पर तीखा हमला कर फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस पर उनके काउबॉय जूतों को लेकर कटाक्ष किया। राष्ट्रपति पद के दावेदारों की तीसरी डिबेट के लिए बोलते हुए मियामी में विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और जूतों के बारे में टिप्पणी सामने आई। रामास्वामी ने इजराइल में संघर्ष के संबंध में चेतावनी दी कि मंच पर दो प्रमुख उम्मीदवार अमेरिका को एक खूनी युद्ध में खींच सकते हैं। रामास्वामी ने हेली और डेसेंटिस के संदर्भ में कहा कि क्या आप एक अलग पीढ़ी का ऐसा नेता चाहते हैं जो इस देश को सबसे पहले रखे या आप डिक चेनी को तीन इंच ऊँची एड़ी के जूते में देखना चाहते हैं? रिपब्लिकन पूर्व उपराष्ट्रपति (चेनी) का जिक्र कर कहा कि वे अपने नवरूढ़िवादी विचारों के लिए जाने जाते थे। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के उपाध्यक्ष चेनी विदेश नीति के शौकीन थे। टिकटॉक पर प्रतिबंध का जिक्र कर रामास्वामी ने कहा कि हेली की बेटी ने चीनी लघु वीडियो एप का इस्तेमाल किया था। उन्होंने हेली से कहा कि हो सकता है कि आप पहले अपने परिवार का ख्याल रखना चाहें। जबकि डेसेंटिस ने रामास्वामी की टिप्पणी का जवाब नहीं दिया, हेली ने पलटवार करते हुए कहा कि तुम बिल्कुल बेकार हो। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी को अपनी आवाज से दूर कर दो।

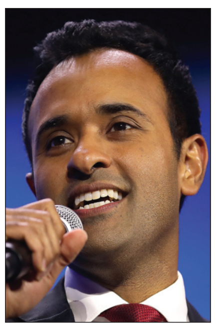

बाइडेन-जिनपिंग की मुलाकात से पहले मिलेंगे अमेरिका-चीन के वित्त मंत्री, सैन फ्रांसिस्को बनेगा मेजबान

वाशिंगटन (एजेंसी)। ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन और उनके चीनी समकक्ष सैन फ्रांसिस्को में दो दिनों की बातचीत के लिए मिलेंगे, जिसका उद्देश्य कई आर्थिक मुद्दों पर प्रगति करना है, जब दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो गई है। येलेन की उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ बातचीत अगले सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अपेक्षित बैठक के लिए आधार तैयार करने में मदद करने के लिए की गई है। योजना से परिचित एक व्यक्ति के अनुसार, व्हाइट हाउस को उम्मीद नहीं है कि आमने-सामने की बैठक से दोनों देशों के बीच संबंधों में कोई बड़ा बदलाव आएगा, हालांकि उसे प्रगति के कुछ संकेत देखने की उम्मीद है।

विश्लेषकों का कहना है कि देशों के संबंधों की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को देखते हुए उम्मीदें कम रखी जानी चाहिए। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में एशिया के उप निदेशक निकोलस स्चेचेनी ने एपीईसी शिखर सम्मेलन के लिए एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए समावेशिता, परस्पर जुड़ाव जैसे विषयों पर विश्वसनीय रूप से जोर देना मुश्किल लगता है। इस साल के एपीईसी के विषय शिखर सम्मेलन जब इंडो-

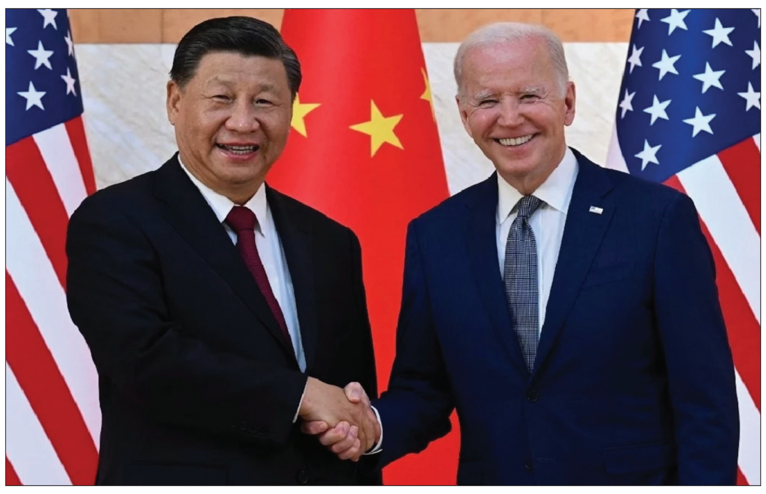

पैसिफिक में अमेरिकी आर्थिक रणनीति के लिए प्राथमिक चालक आवश्यक रूप से आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आर्थिक प्रतिस्पर्धा है।

बाइडेन ने चीन की ओर जाने वाले उच्च तकनीक वाले अमेरिकी-आधारित निवेशों को विनियमित करने और अवरुद्ध करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, प्रशासन ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा पर आधारित है। पिछले साल, अमेरिका ने चीन को उन्नत कंप्यूटर चिप्स के निर्यात को रोकने का कदम उठाया। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सांसदों ने डेटा सुरक्षा और हानिकारक सामग्री पर टिकटॉक के सीईओ शौ ज़ी च्यू के साथ सुनवाई की, जिसमें इस बात पर विचार किया गया कि क्या इसके चीनी कनेक्शन के कारण बेहद लोकप्रिय ऐप पर प्रतिबंध लगाया जाए।

आम चुनाव से पहले पाकिस्तान में इमरान की पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी तेज

लाहौर (एजेंसी)। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के 60 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पाकिस्तान में आम चुनाव के ऐलान के बाद पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया हैं। पीटीआई के मुताबिक 10000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता जेल में हैं। इन नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पंजाब प्रांत से हुई। वहीं, पीटीआई ने इसकी आलोचना कर इस अवैध फासीवादी कदम करार दिया।

पाकिस्तान में आठ फरवरी, 2024 को आम चुनाव के एलान के बाद पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसते हुए कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस ने नौ मई और उसके तुरंत बाद भी कुछ गिरफ्तारियां की थीं, लेकिन अब नई गिरफ्तारियां हुई हैं।

बकौल पीटीआई, कथित भ्रष्टाचार के मामले में 70 वर्षीय इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सैन्य और राज्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के सिलसिले में मई की शुरुआत से पार्टी के 10,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता जेल में हैं। पुलिस ने नौ मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमला और मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में एक प्लाजा को जलाने में शामिल 62 पीटीआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

बता दें कि भारी संख्या में पुलिसबल ने पीटीआई अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही के रिश्तेदार और पूर्व विधायक मेजर (आर) ताहिर सादिक को गिरफ्तार करने के लिए उनके आवास पर भी छापा मारा। फिलहाल चौधरी परवेज इलाही पहले से ही जेल में कैद हैं।

पाकिस्तान के लिए भारत का खौफनाक प्लान, उड़ जाएंगे दुश्मन के होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपाचे पैटर्न हेलीकॉप्टर भारतीय सेना का सबसे ताकतवर हेलीकॉप्टर है। जल्द ही ये थल सेना की ताकत बढ़ाने वाला है। थल सेना को भी अपाचे हेलीकॉप्टर्स मिलने वाले हैं। अगले साल के शुरुआती तीन महीने में थल सेना के पायलट भी अपाचे हेलीकॉप्टर उड़ाते नजर आएंगे। इंडियन आर्मी को जो अपाचे मिलेंगे उनका इस्तेमाल भी भारत के दुश्मन नं 1 के खिलाफ होगा। भारतीय सेना अपाचे फाइटर हेलीकॉप्टर्स को पाकिस्तान की सीमा पर तैनात करेगी। ताकी पड़ोसी सीमा पर कोई भी हिमाकत करने से पहले 100 बार सोचे। भारतीय सेना को कुल 6 अपाचे हेलीकॉप्टर्स मिलेंगे।

5,691 करोड़ रुपये के समझौते के तहत सेना अब अपने छह हेवी-ड्यूटी अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों को शामिल करने की तैयारी कर रही है, जो स्टिंगर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, हेलफायर लॉन्गबो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों, बंदूकों और रॉकेटों से लैस हैं। एक अधिकारी ने कहा, सितंबर 2015 में हुए 13,952 करोड़ रुपये के सौदे के

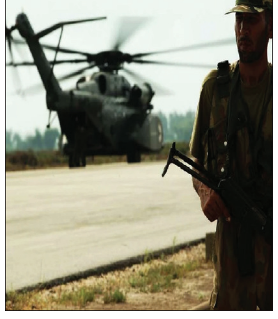

तहत सेना की स्ट्राइक कोर को एकीकृत लड़ाकू विमानन कवर प्रदान करने के लिए वे पहले से ही वायुसेना में शामिल किए गए 22 ऐसे हेलीकॉप्टरों का अनुसरण करेंगे। नया समावेश तब हुआ है जब सेना और भारतीय वायुसेना ने रक्षा पीएसयू हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स से 156 और स्वदेशी 'प्रचंड' हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों को ऑर्डर करने की योजना को अंतिम रूप दिया है, जो सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आक्रामक अभियानों में सक्षम हैं। एचएएल), जैसा कि सितंबर में टीओआई द्वारा रिपोर्ट किया गया था।

इजरायल ने गाजा को बना दिया मासूमों का कब्रिस्तान : संयुक्त राष्ट्र

-सेना-हमास की लड़ाई पर यूएन ने दी चेतावनी, ऐसे तो हम बर्बाद हो जाएंगे

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध पर यूएन ने सख्ती दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि एक ओर जहां गाजा मासूमों की कब्रगाह बनता जा रहा है, वहीं हमारे कार्यकर्ताओं की भी मौत हुई है, हम तो इस युद्ध में बर्बाद हो चुके हैं। न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बात करते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि गाजा में मानवीय संकट अधिक डरावना होता जा रही है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदायों को गाजा में मानवीय सहायता का विस्तार करने के लिए सामने आना चाहिए। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कई बार चेतावनी दी है कि बिजली, ईंधन, भोजन और साफ पानी की कमी से मानवीय संकट बढ़ता जाएगा। उन्होंने कहा कि ताजा आंकड़ों के अनुसार, घनी आबादी वाले गाजा पट्टी में 2 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, हवाई हमलों ने लगभग 1.5 मिलियन लोगों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर कर दिया है। इजरायली रक्षा बलों ने 13 अक्टूबर को गाजा पट्टी के उत्तरी भाग में रहने वाले लोगों को दक्षिण की ओर खाली करने के लिए कहा, लेकिन इसके बावजूद इजरायल ने दक्षिण में हवाई हमले को अंजाम देकर कई लोगों को मार दिया।

गुटेरेस ने बताया कि इस युद्ध में 89 संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी के कर्मचारियों की मौत का

बहुत दुख है। उन्होंने सोमवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी और कहा, 'यह हमारे संगठन के इतिहास में हाल के हफ्तों में सबसे अधिक संयुक्त राष्ट्र की सहायता करने वाले कार्यकर्ता मारे गए हैं।' यूएनआरडब्ल्यूए ने मंगलवार को बताया कि इस दौरान कम से कम 26 कर्मचारी घायल हुए हैं। गुटेरस ने कहा कि इस युद्ध में हम बर्बाद हो चुके हैं। हमारे मारे गए सहयोगी हमेशा याद रहेंगे और उन्हें भुलाया नहीं जाएगा। बता दें कि इजरायल-हमास जंग बीते 1 महीने से जारी है।

पूरे गाजा में व्यापक विनाश हुआ है। हर जगह अफरा-तफरी मची हुई है। इस हमले में 10 हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। लगातार बमबारी से गाजा में बच्चों के मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है, क्योंकि गाजा दुनिया की सबसे अधिक बच्चों की आबादी वाला शहर है। यहां 47 प्रतिशत 18 साल से कम उम्र के बच्चे हैं। बच्चों की मौतों का आंकड़ा देखते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक बार फिर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गाजा बच्चों के लिए कब्रगाह बनता जा रहा है।

पाकिस्तान की गोद में पले बढ़े आतंकी अब उसी के लिए भस्मासुर बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। जग जाहिर है कि पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री चलाता है। आतंकी पैदा करता है और उन्हे पाल पोसकर बड़ा करता है। अब यही पाक के पले बढ़े आतंकी पाकिस्तान के लिए भस्मासुर बन रहे हैं। इसके समाधान का रास्ता खुद पाकिस्तान नहीं निकाल पा रहा है। बढ़ते आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से परेशान होकर पीएम ने अपना दर्द बयां किया है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने बुधवार को कहा कि 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि हुई है। काकर ने अवैध अप्रवासियों के चल रहे निर्वासन अभियान को आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों से जोड़ा है।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने इस्लामाबाद में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान सरकार की स्थापना के बाद हमें एक मजबूत उम्मीद थी कि अफगानिस्तान में दीर्घकालिक शांति होगी, पाकिस्तान-विरोधी समूहों विशेषकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ अफगान धरती का उपयोग करने की अनुमति बिल्कुल नहीं दी जाएगी। मगर दुर्भाग्य से अंतरिम अफगान सरकार की स्थापना के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में 60 प्रतिशत और आत्मघाती हमलों में 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले दो सालों में इस दुखद रक्तपात यानी आतंकी हमलों में 2267 पाकिस्तानी नागरिकों की जान चली गई है, जिसके लिए टीटीपी के आतंकवादी जिम्मेदार हैं जो अफगान धरती का उपयोग करके पाकिस्तानियों पर कायरतापूर्ण हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान आत्मघाती हमलों में शामिल लोगों में 15 अफगानी नागरिक भी शामिल थे। इसके अलावा आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से लड़ते हुए अब तक 64 अफगानी नागरिक मारे गए हैं।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री काकर ने किसी विशिष्ट आतंकी हमले में अफगान नागरिकों की कथित संलिप्तता के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। उनका यह बयान पिछले सप्ताह के दौरान देश में आतंकी घटनाओं में तेज वृद्धि के बाद आया है, जिसमें तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान ने मियांवाली ट्रेनिंग एयर बेस पर आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ग्वादर हमले की जिम्मेदारी ली ती, जबकि डेरा इस्माइल खान में हमलों के लिए किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।पाकिस्तानी कार्यवाहक पीएम काकर ने याद दिलाया कि उपरोक्त विवरण तालिबान की जानकारी में थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस साल जुलाई में जारी एक

निगरानी रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में टीटीपी केंद्रों और पाकिस्तान के खिलाफ इसकी गतिविधियों में वृद्धि का स्पष्ट उल्लेख था। प्रधान मंत्री ने कहा कि टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करने के अफगान सरकार के आश्वासन के बाद भी पाकिस्तान विरोधी समूहों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने अधिक विवरण दिए बिना कहा कि इसके बजाय कुछ उदाहरणों में आतंकवाद को बढ़ावा देने के स्पष्ट सबूत भी सामने आए।

रिश्ता निभाने से बनता है, वरना मामा तो कंस भी हैं : प्रियंका गांधी

-चित्रकूट में जनसभा के दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने किया विकास का वादा

चित्रकूट/रीवा (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने शिवराज सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि रिश्ता निभाने से बनता है, वरना मामा तो कंस भी है। प्रियंका गांधी ने गुरुवार को मध्यप्रदेश पहुंचकर सतना के चित्रकूट में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद वह रीवा भी पहुंची। चित्रकूट में प्रियंका ने कहा कि एमपी सरकार रिश्वतखोरी से चल रही है। सीएम कहते हैं कि हम मामा हैं। रिश्ता निभाने से बनता है, वरना कंस भी मामा है। मुझे मतलब नहीं कोई अपने आपको फकीर बोले, मामा बोले। देश की संपत्ति गिने-चुने लोगों को सौंप दी। मेरे लिए तो आप भ्रष्ट हो। प्रियंका ने कहा कि हमें पांच साल दे दो, भारी बहुमत से जिताओ, ताकि कोई हमारी सरकार को फिर से चोरी न कर पाए, ताकि आपको फकीरों से छुटकारा हो, मामा जी से छुटकारा हो और जो आपकी सेवा करता हो, वैसा नेता आपको मिले। कांग्रेस ने हमेशा आपकी हिफाजत की है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि ये लोग काम कुछ नहीं करेंगे, केवल धर्म के नाम पर वोट मांग लेंगे। 18 साल से मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार है। इसीलिए इनके मन में ये बात बैठ गई है कि हम काम क्यों करें। धर्म के नाम पर वोट मांग लेंगे। आप लोग सोचते हैं धार्मिक इंसान हैं, इसी को वोट देंगे। भाजपा के जिस मंत्री ने किसानों को कुचला, उसे मंच पर बैठाया। ये लोग अडानी-अंबानी के हजारों करोड़ के कर्ज माफ करने के लिए नहीं कहते हैं। लेकिन, किसानों से कर्ज चुकता करने के लिए कहते हैं। किसान जब आंदोलन कर रहे थे, तब इनके एक मंत्री ने किसानों को कुचल दिया। बाद में वही मंत्री इनके साथ मंच पर बैठा रहा। ये किसानों से मिलने तक नहीं गए।

प्रियंका ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया को कब्जे में ले रखा है। उन्होंने कहा कि ये जो आप टीवी पर देखते हैं, मोदी जी-शिवराज जी ने बहुत काम किया, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं है। ये तो आपको भी दिख रहा है कि आपकी कोई समस्या का हल नहीं निकल रहा। फिर कैसे काम हो रहा है। इन्होंने तो मीडिया को अपने कब्जे में ले रखा है कि केवल हमें ही दिखाएं। मप्र में इतने सालों में एक भी विवि और उद्योग नहीं खुले। छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी। कभी नोटबंदी, कभी जीएसटी कभी कुछ। किसान एक दिन का 27 रुपए कमा रहा है।

प्रियंका ने शिवराज को घोषणावीर बताते हुए कहा कि शिवराज ने 22 हजार घोषणाएं कीं लेकिन 22 ही पूरी हुई होंगी। पट्टे आपको इंदिरा जी ने दिए, वो जानती थीं कि जमीन पर काम करने वाले आप हैं। शिक्षा आपको कांग्रेस ने दी। आपके लिए भोजन का अधिकार बनाया। कांग्रेस की ये पुरानी परंपरा है। शिवराज सरकार ने 22 हजार घोषणाएं की होंगी, केवल 22 ही पूरी कीं। कर्मचारियों से प्रियंका ने कहा कि जहां कांग्रेस सरकारें, वहां पुरानी पेंशन लागू हो चुकी हैं, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में हम किसानों के कर्ज माफ कर रहे हैं और यहां भी सरकार बनते ही हम किसानों के कर्ज माफ करेंगे। उन्होने रीवा की जनसभा में भी भाजपा पर जमकर अपनी भड़ास निकाली।

महुआ के संसद से निष्कासन की सिफारिश

-एथिक्स कमेटी के 6 सदस्यों ने पक्ष में और 4 ने विपक्ष में किया वोट

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा मामले में एथिक्स कमेटी की 9 नवंबर को बैठक हुई। बैठक में मौजूद 10 सदस्यों में से 6 सदस्यों ने महुआ के संसद से निष्कासन की सिफारिश के पक्ष में वोट किया जबकि 4 सदस्यों ने इसके विपक्ष में वोट किया है। अब यह रिपोर्ट 10 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। गौरतलब है कि कैश फॉर क्वेरी यानी पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने वाले मामले को लेकर महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गुरुवार 9 नवंबर को इस मामले में एथिक्स कमेटी की विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक में कमेटी के कुल 10 सदस्य मौजूद थे, जिनमें से 6 सदस्यों ने महुआ को लोकसभा से निष्कासित करने वाली सिफारिश के पक्ष में वोट किया। वहीं 4 सदस्यों ने इसके विपक्ष में वोट किया है। अब यह रिपोर्ट शुक्रवार 10 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को सौंपी जाएगी।

सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को तेजी से निपटाए हाईकोर्ट

नई दिल्ली । सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों के निपटारे में तेजी लाने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों को दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वे खुद इसतरह के मामले दर्ज करें और उनकी मॉनिटरिंग करें। खासतौर पर उन मामलों को प्राथमिकता दें, जिसमें उम्रकैद या फिर फांसी तक की सजा का प्रावधान हो। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट इसके लिए स्पेशल बेंच भी बना सकते हैं। हत्या के मामलों में दोषी ठहराए जाने पर उम्रकैद से लेकर हत्या तक की सजा का प्रावधान है। अदालत ने कहा कि इसतरह के मामलों की सुनवाई करने वाली स्पेशल बेंच का नेतृत्व खुद हाई कोर्ट्स के चीफ जस्टिस को करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यदि किसी मामले में मौत या फिर उम्रकैद की सजा हो सकती हो तब उन्हें प्राथमिकता सुना जाना चाहिए। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट्स को उन मामलों की लिस्ट बनानी चाहिए, जिनका ट्रायल रुक गया है। इसतरह के सभी मामलों में तेजी लानी चाहिए ताकि समय पर उनका निपटारा हो सके। अदालत ने एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की अर्जी पर यह आदेश दिया, जिसमें मांग की गई थी कि अदालत मौजूदा एवं पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ चल रहे मामलों में तेजी लाए। अदालत में सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि देश भर में मौजूदा एवं पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ 5,175 केस लंबित हैं। इसमें से 2,116 यानी करीब 40 फीसदी केस हैं, जो 5 साल से ज्यादा वक्त से लंबित हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1377 केस उत्तर प्रदेश के ही हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर बिहार है, जहां 546 केस लंबित हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 482 केस अभी लंबित हैं। इससे पहले 2014 में एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ आरोप तय होने के एक साल के अंदर मामलों का निपटारा हो जाना चाहिए।

पुलिस ने कुमार विश्वास के दावों को बताया गलत, विश्वास ने मामले से झाड़ा पल्ला

गाजियाबाद । मशहूर कवि और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता कुमार विश्वास के ट्वीट ने पुलिस महकमे तक में हलचल पैदा कर दी। कुमार विश्वास ने दावा किया कि गाजियाबाद में उनके काफिले पर हमला कर सुरक्षाकर्मियों से मारपीट की गई। लेकिन कुछ ही देर बाद सामने आए एक जख्मी डॉक्टर ने खुद को पीड़ित बताकर कहा कि साइड नहीं देने पर उन्हें पीटा गया है। गाजियाबाद पुलिस ने भी शुरुआती जांच के बाद कुमार विश्वास के आरोपों को गलत बताया तब कवि ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया है। गाजियाबाद पुलिस ने बयान जारी कर साफ किया कि कुमार विश्वास के काफिले पर हमला नहीं हुआ था, जैसा कि कवि ने दावा किया था। पुलिस ने लिखा, आज संज्ञान में आए प्रकरण में कुमार विश्वास के काफिले पर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हमले के संबंध में प्रारंभिक जांच के क्रम में आरोप सिद्ध नही हुए हैं, थाना इंदिरापुरम पुलिस आगे की जांच और कार्रवाई कर रही है। चेहरे से टपकते खून के साथ डॉक्टर की ओर से लगाए मारपीट के आरोप और पुलिस के बयान के बाद सोशल मीडिया पर कुमार विश्वास की घेराबंदी शुरू हो गई।

ज्ञानवापी-काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद की सुनवाई 1 दिसंबर तक स्थगित

वाराणसी । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी-काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद मामलों की सुनवाई एक दिसंबर तक के लिए स्थगित की है। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की पीठ ने दोनों पक्षों के वकीलों की सहमति से यह आदेश पारित किया। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष यह केस मस्जिद समिति द्वारा दायर याचिकाओं से संबंधित हैं, जिसमें पूजा स्थलों (विशेष प्रावधान) द्वारा वर्जित ज्ञानवापी मस्जिद में पूजा के अधिकार की मांग करने वाले हिंदू उपासकों द्वारा दायर मुकदमों की स्थिरता को चुनौती दी गई है। अधिनियम 1991 इसके पहले, 3 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद से संबंधित मामलों को किसी अन्य न्यायाधीश की पीठ से अपनी पीठ में स्थानांतरित करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दिवाकर द्वारा पारित आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर लगी रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ 23 साल पुराने मामले में वाराणसी की एक एमपी/एमएलए अदालत द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) पर पांच सप्ताह के लिए रोक लगा दी, जिसमें कांग्रेस नेता आरोपी हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा मामले का तत्काल उल्लेख करने का अनुरोध करने के बाद सुरजेवाला को वारंट रद्द करने के लिए चार सप्ताह में ट्रायल कोर्ट में पेश होने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हम याचिकाकर्ता को चार सप्ताह के भीतर एनबीडब्ल्यू रद्द करने के लिए ट्रायल कोर्ट में जाने की अनुमति देते हैं। वारंट को पांच सप्ताह की अवधि तक निष्पादित नहीं किया जाएगा। मामले में सुरजेवाला की उपस्थिति की मांग करने वाली विशेष एमपी/एमएलए अदालत के प्रमुख वाराणसी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा 7 नवंबर को वारंट जारी किया गया था। सिंघवी ने अदालत को बताया कि न्यायाधीश को एनबीडब्ल्यू जारी करने की कोई जल्दी नहीं थी क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सुरजेवाला द्वारा अगस्त 2000 में उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर 30 अक्टूबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने बेवजह कर दी फायरिंग, भारतीय जवान घायल

जम्मू। पाकिस्तान संघर्ष विराम के नियमों को नहीं मानता। आए दिन इनका उल्लंघन कर ताबड़तोड़ फायरिंग करता है। अभी एक महीना भी नहीं हुआ कि पाकिस्तानी रेंजर्स ने तीसरी बार सीजफायर का उल्लंघन कर सीमा पर जबरदस्त गोलीबारी कर दी। इसमें बीएसएफ का एक भारतीय जवान जख्मी हो गया है। इससे पहले 17 अक्टूबर को अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान रेंजर्स की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी, 2021 को दोनों पक्षों द्वारा युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से यह कुल मिलाकर युद्ध विराम का छठा उल्लंघन है। वहीं गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' से जुड़ा एक आतंकवादी मारा गया।

भाजपा कर सकती है ओबीसी सर्वे का ऐलान, गृह मंत्री अमित शाह ने दिया संकेत

नई दिल्ली । इस बार के लोकसभा चुनावों में जाति का मुद्दा बुरी तरह से हावी होने वाला है। विपक्ष ने जहां जातिगत जनगणना का दांव चलाया है तो भाजपा ने भी विपक्ष की जाति जनगणना की काट निकाल ली है। विगत दिनों बिहार के मुजफ्फरपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी की रणनीति में बदलाव के संकेत दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की एक नवंबर की बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि भगवा पार्टी एक बड़ी घोषणा करेगी, जिसमें पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सर्वेक्षण की बात होगी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसमें अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई बड़े नेता शामिल हुए। बैठक के अगले ही दिन ओबीसी आउटरीच पर एक उच्च स्तरीय बैठक में इस पर मुहर लगा दी गई। इस पर जानकार लोगों ने कहा कि तौर-तरीकों पर अभी काम किया जाना बाकी है, लेकिन केंद्र सरकार जल्द ही इसको लेकर घोषणा कर सकती है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कांग्रेस हिंदू वोटों को विभाजित करने के एकमात्र उद्देश्य से जाति जनगणना के वादे को दोहराती रहती है। हम ओबीसी सर्वेक्षण की घोषणा करके उस रणनीति को भी कुंद कर देंगे। भाजपा ने बताया है कि जब जाति सर्वेक्षण की घोषणा की गई थी तब वह बिहार में सरकार का हिस्सा थी। मंगलवार को जब नीतीश कुमार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने आरक्षण को 75 प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया तो भाजपा ने भी इसका समर्थन किया। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद अमित शाह ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में यह मुद्दा उठाया। पार्टी ने कहा कि हम वोटों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करते हैं। हम पार्टी के भीतर चर्चा करने के बाद जातीय जनगणना पर उचित निर्णय लेंगे। भाजपा ने कभी भी जाति जनगणना का विरोध नहीं किया, लेकिन इस पर बहुत सोच-विचार कर निर्णय लेना होगा। अमित शाह ने बिहार की रैली के दौरान कहा कि वे महागठबंधन से मिलकर इस रिपोर्ट के साथ खुद को ओबीसी के चैंपियन के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि जब जाति सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया था, तब भाजपा राज्य सरकार का हिस्सा थी।

जीतन राम मांझी पर भड़के नीतीश, कहा- मेरी मूर्खता के कारण बना सीएम, पूर्व सीएम का पलटवार

पटना (एजेंसी)। चल रहे विधानसभा सत्र के बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा नेता जीतन राम मांझी पर जमकर बरसे। आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कुमार पूर्व मुख्यमंत्री पर अपना आपा खो बैठे। विधानसभा में बोलते हुए कुमार ने कहा कि मांझी को उनकी मूर्खता के कारण राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला है। हंगामा तब हुआ जब मांझी बिल पर अपना संबोधन दे रहे थे। बिल पर चर्चा के दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि उन्हें बिहार में हुई जातीय जनगणना पर भरोसा नहीं है। मांझी ने पूछा कि दावा किया गया है कि हर 10 साल पर आरक्षण की समीक्षा की जाएगी, लेकिन क्या बिहार सरकार ने आरक्षण की समीक्षा की है? अब तक 16 फीसदी आरक्षण होना चाहिए था लेकिन अब तक सिर्फ 3 फीसदी ही है। आरक्षण बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन ज़मीन पर क्या है?

भड़के नीतीश

मांझी का भाषण बिहार के मुख्यमंत्री को पसंद नहीं आया और उन्होंने अपना आपा खो दिया। उन्होंने कहा, 'वह (मांझी) मेरी मूर्खता के कारण मुख्यमंत्री बने...क्या उन्हें कोई ज्ञान है? वह अब राज्यपाल बनना चाहते हैं...पहले भी वह आपके (भाजपा) पीछे भागते थे, कृपया उन्हें राज्यपाल बना दें।' नीतीश ने कहा कि यह मेरी गलती थी कि मैंने इस व्यक्ति को मुख्यमंत्री बना दिया था... दो महीने में ही मेरी पार्टी के लोग कहने लगे कि कुछ गड़बड़ है इन्हें हटाओ... फिर मैं (सीएम) बन गया... वे(जीतन राम मांझी) कहते रहते हैं कि वह भी मुख्यमंत्री थे... वह मेरी मूर्खता के कारण मुख्यमंत्री बने। इससे पहले गुरुवार को बिहार विधानसभा में आरक्षण संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया।

पूर्व सीएम का पलटवार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि ये वही नीतीश कुमार हैं जो आज से कुछ दिनों पहले थे। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं उनके दिमाग में कुछ कमजोरियां हैं, जिस वजह से वे ऐसी बात कर रहे हैं... वे(नीतीश कुमार) 1985 में विधायक बनें, मैं 1980 से विधायक हूं... वे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं।

अब डीपफेक का शिकार हुई सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा, वायरल हुई तस्वीरें

मुंबइ (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डीपफेक का शिकार हुई एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का मॉर्फ्ड वीडियो सामने आया तो वहीं अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर की तस्वीर सामने आई है, जो फेक बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर में सारा तेंदुलकर के साथ भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल भी नजर आ रहे हैं। बता दें कि आए दिन सारा और शुभमन की कथित डेटिंग की खबरें सामने आती रहती हैं। हालांकि सारा की वायरल हो रही इस तस्वीर में कोई सच्चाई नहीं है। वायरल हो रही सारा तेंदुलकर और शुभमन गिन की मॉर्फ्ड तस्वीर 26 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हुई। इस तस्वीर को देखकर हर कोई भ्रमित हो गया और लोगों को लगा कि सारा और शुभमन ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। लेकिन आपको बता दें कि यह तस्वीर एआई डीप फेक के जरिए बनाई गई है। सारा की यह फोटो उनके इंस्टाग्राम से ली गई है और सारा के साथ बैठा शख्स शुभमन नहीं बल्कि उनके भाई अर्जुन तेंदुलकर हैं। सारा ने अपने भाई अर्जुन के साथ इस फोटो को 24 सितंबर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसके ठीक एक महीने बाद इसे एडिट कर ट्विटर पर वायरल कर दिया गया। असल तस्वीर में अर्जुन तेंदुलकर कुर्सी पर बैठे हुए हैं और उन्होंने भाई को प्यार से गले लगाया हुआ है।

आतंकवाद की तरफ कदम बढ़ाते युवक को एटीएस ने दबोचा, हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

रांची (एजेंसी)। झारखंड के कई युवाओं में आतंकवाद के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। जिसके चलते आए इस तरह के मामलों का खुलासा हो रहा है। हाल ही में झारखंड एटीएस ने आईएसआईएस के एक और मॉडयूल को उजागर किया है। इससे पहले एनआईए द्वारा लोहरदगा और हजारीबाग के आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। अब एटीएस को अब झारखंड एटीएस को गोड्डा जिले में आतंकी मॉड्यूल की जानकारी मिलते ही एक्शन हुआ और मोहम्मद आरिज हसनैन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गोड्डा जिले के महमूद नगर का रहने वाला है आतंकी संगठन से लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रहा था और साथ ही राष्ट्र विरोधी गतिविधियां भी संचालित कर रहा था। सूचना मिलने के बाद एटीएस ने कार्रवाई करते हुए आरीज हसनैन को गिरफ्तार किया। आरीज हसनैन ने पूछताछ में आतंकी संगठन आईएसआईएस एवं अन्य प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े होने की बात स्वीकार की है। उसके मोबाइल में टेलीग्राम के संदिग्ध चैट भी पाये गये। इसके बारे में पूछने पर उसके द्वारा बताया गया कि हजारीबाग का रहने वाला मो नसीम उससे जुड़ा हुआ है। दोनों आईडी पर चैट भी करते थे। नसीम के द्वारा इन संगठनों को बायथ भी भेजा गया है। पूछताछ में ये बात सामने आई है कि पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के भी कई आतंकी संगठनों के संपर्क में ये दोनों हैं। आरीज ने बताया कि उसका लक्ष्य फिलिस्तीन जाकर फिदाइन हमला करना था और मस्जिद ए अल अक्सा को यहूदियों से आजाद करना था। आगे पूछताछ में इसने बताया कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न आतंकी संगठनों का प्रतिबंध वीडियो इत्यादि देखकर अपने साथियों में इसका प्रचार भी करने लगा था।

पीएम मोदी डिग्री विवाद: अरविंद केजरीवाल को लगा झटका, हाईकोर्ट ने खारिज की रिव्यू पिटीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात हाई कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अदालत के 31 मार्च के फैसले को चुनौती दी गई थी कि गुजरात विश्वविद्यालय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं है। गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा 2016 के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को पलटने के बाद केजरीवाल ने एक समीक्षा याचिका दायर की थी, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को मोदी की डिग्री का विवरण प्रदान करने का आदेश दिया गया था। सीआईसी का आदेश सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई अधिनियम) के तहत केजरीवाल के एक आवेदन पर पारित किया गया था।

इस अदालत की राय है कि एक बार जब किसी विशेष वादी की सुनवाई के बाद सक्षम अदालत द्वारा निष्कर्ष दर्ज किया जाता है, तो वादी केवल अपना कानूनी उपाय और कानून का सहारा ले सकता है जो कानून में उपलब्ध हो सकता है। न्यायाधीश बीरेन वैष्णव ने गुरुवार को 18 पेज के आदेश में कहा कि अदालत इस बात से अवगत है कि समीक्षा की मांग करना कानून में उपलब्ध एक उपाय है और हो सकता है, लेकिन समीक्षा आवेदन में इस अदालत के समक्ष उठाए गए आधारों और तर्कों को देखते हुए, यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदक ने इस उपाय को पूरी तरह से लागू करने की मांग की है। कानूनी सहारा लेने पर विचार करें।

कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पुरानी दलीलों को दोहराने या छोटी गलतियों के लिए समीक्षा की इजाजत नहीं है। इसमें कहा गया है कि समीक्षा तब तक कायम रखने योग्य नहीं है जब तक कि आदेश में स्पष्ट रूप से प्रकट होने वाली भौतिक त्रुटि, इसकी सुदृढ़ता को कमजोर न कर दे।

ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ने लगा खतरा, इस साल की गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। इस साल की गर्मी ने भी सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए है। जिसकी वजह से गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस महीने होने वाले ऐतिहासिक जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी की है। उनके मुताबिक, 2023 में दुनिया सबसे गर्म होगी। यह गर्मी अब तक रिकॉर्ड किए गए किसी भी दूसरे साल की तुलना में अधिक होगी। पिछले साल की अपेक्षा अक्टूबर में औसत तापमान से 1.7सी. अधिक दर्ज किया गया है। वैज्ञानिकों ने पाया कि पिछले महीने में रिकॉर्ड गर्मी थी। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस की डिप्टी डायरेक्टर सामंथा बर्गेस ने द गार्जियन को बताया कि हम यह कह सकते हैं कि 2023 में रिकॉर्ड गर्मी हुई है। इस साल औसत से 1.43सी. अधिक गर्मी पड़ी है। जानकार बता रहे हैं कि औद्योगिक क्रांति के बाद से वायुमंडल में गर्मी रोकने वाली गैसों में तेज वृद्धि हुई है। इसके कारण तापमान में 1.2सी. की बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने बताया कि जीवाश्म ईंधन को जलाना और प्रकृति का विनाश भी बढ़ती गर्मी का एक कारण है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैस प्रदूषण के शक्तिशाली मिश्रण, प्राकृतिक मौसम पैटर्न अल नीनो की वापसी के साथ-साथ टोंगा में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण गर्मी बढ़ी है। लंदन के जलवायु वैज्ञानिक फ्राइडेरिक ओटो ने बताया कि हम इस साल रिकॉर्ड गर्मी का समाना कर रहे है। इस वर्ष अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण तापमानों की स्थिति और भी बदतर हो गई है। इसमें हजारों मौतें हुईं। लोगों ने अपनी आजीविका खो दी। विस्थापित हो गए। ये ऐसे रिकॉर्ड हैं जो बहुत मायने रखते हैं।

दुनियाभर की सरकारों ने आठ साल पहले पेरिस में एक शिखर सम्मेलन में किए गए वादे का पालन नहीं किया। उन्होंने सदी के अंत तक 1.5सी. तक गर्मी कम करने का वादा किया था। लेकिन वर्तमान नीतियों के कारण यह लगभग 2.4सी. तक बढ़ गया है। इस पर एक वैज्ञानिक ने कहा, यह देखना भयावह है कि जून 2023 के बाद से वैश्विक तापमान 2015 की दूसरी छमाही की तुलना में बहुत अधिक गर्म है। इस

समय अल नीनो बहुत मजबूत था। हमारा ग्रह अपने मौसम संबंधी इतिहास में दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों से गुजर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

ब्रिजसिटी में 121वां फ्लाईओवर ब्रिज खुला, केनाल रोड पर ट्रैफिक का बोझ कम होगा

खरवरनगर जंक्शन से परवत पटिया जाने वाली बीआरटीएस मार्ग पर भठेना जंक्शन पर फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा खरवरनगर जंक्शन से परवत पटिया जाने वाली बीआरटीएस मार्ग पर भाठेना जंक्शन पर फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण समारोह सांसद सी.आर. पाटिल द्वारा किया गया। इसके साथ ही सूरत शहर का कुल १२१वां ब्रिज नागरिकों के लिए खोल दिया गया है।

उल्लेखनिय है की इस सड़क पर भारी भीड़भाड़ है और सड़क का उपयोग शहर और शहर के पास के ग्रामीण इलाकों में जाने के लिए किया जा सकता है, पीक अवर्स के दौरान भाठेना जंक्शन पर भारी यातायात के कारण ट्रैफिक जाम रहता था।

इसके अलावा, रिंग रोड किन्नरी सिनेमा के सामने की ८० फीट चौड़ी सड़क भी इसी कैनाल जंक्शन से पार की जाती है, पीक अवर्स के दौरान ट्रैफिक जाम से बचने के लिए इस स्थान पर एक फ्लाई-ओवर ब्रिज की योजना बनाई गई थी । इससे आसपास के क्षेत्र के लोगों को ट्रैफिक की गंभीर समस्या से मुक्तिमिलेगी और लोगों का समय और ईंधन की काफी बचत होगी, तो प्रदूषण भी कम होगा।

इस अवसर पर सांसद सी.आर. पाटिल ने कहा कि सूरत शहर हीरे और कपड़ा नगरी के रूप में जाना जाता है, उसी प्रकार सूरत ने ब्रिज सिटी के रूप में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि पीक सीजन के दौरान भाठेना जंक्शन पर ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए नगर निगम ने भाठेना जंक्शन पर एक नवनिर्मित फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण किया है। पुल के निर्माण से आसपास के क्षेत्र के लोगों को यातायात की समस्या से स्थायी राहत मिली है तथा लोगों के समय और ईंधन की भी बचत होगी। उन्होंने सूरत नगर निगम के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सौना साथ, सौना विकास के नारे पर चलते हुए सूरत नगर निगम और राज्य सरकार ने मिलकर विकास कार्य किये हैं। जिसमें सूरत की जनता का सदैव सहयोग रहा है। भाठेना जंक्शन पर नवनिर्मित पुल यातायात के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। पाटिल ने कहा कि पुल का निर्माण करके नगर पालिका ने स्थानीय जनता और हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत प्रदान की है।

इस कार्यक्रम के अवसर पर महापौर दक्षेशभाई मावानी, विधायक संगीताबेन पाटिल, विधायक संदीपभाई देसाई, विधायक मनुभाई पटेल, उप महापौर डॉ. नरेंद्रभाई पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, नगर निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल, सत्तारूढ़ दल नेता शशिबेन त्रिपाठी, दंडक धर्मेश वानियावाला ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

हाईवे पर जाना आसान हो जाएगा सूरत शहर से मुंबई-अहमदाबाद दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंचने के लिए मोटर चालक मुख्य रूप से सूरत कामराज और सूरत कडोदरा सड़कों का उपयोग करते हैं। जिसमें भी खासकर सूरत शहर से मुंबई और बारडोली-व्यारा आने-जाने वाले वाहन इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त सूरत-कडोदरा सड़क होकर धुलिया होकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तक जाने वाले वाहन चालक भी इसी सडक का उपयोग करते है। इस पुल की वजह से हाईवे पर यातायात आसान हो जाएगा।

एसजीसीसीआई और अजाइको कंपनी के बीच 'पूछताछ' के संबंध में हुआ एमओयू

एसजीसीसीआई और अजाइको कंपनी के पदाधिकारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और अजाइको ग्लोबल एलएलपी कंपनी ने बुधवार को समहती, सरसाणा, सूरत में 'पूछताछ' के संबंध में समझौता ज्ञापन पर अजाइको ग्लोबल एलएलपी के एमडी सागर छगनभाई ने हस्ताक्षर किए। चैंबर ऑफ कॉमर्स इस एमओयू के माध्यम से प्राप्त पूछताछ को अपने मिशन-84 ग्लोबल कनेक्ट पोर्टल पर रखेगा, जिससे पोर्टल के पंजीकृत सदस्यों को पूछताछ तक पहुंच प्रदान की जाएगी। ताकि प्रचुर मात्रा में पंजीकृत सदस्यों को उपलब्ध हो सके।

अजाइको एक अंतरराष्ट्रीय खरीद और पूर्ति संगठन है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर होने से कई बिजनेस पार्टनर्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को आसान तरीके से पूरा करने का मौका मिलेगा। इस मौके पर चैंबर ऑफ

हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत, अजाइको चैंबर ऑफ कॉमर्स को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पूछताछ प्रदान करेगा।

एमओयू पर दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया और उत्पन्न पूछताछ का लाभ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पोर्टल पर कॉमर्स के मिशन-84 के संयोजक संजय पंजाबी और मिशन-84 के सीईओ परेश भट्ट मौजूद रहे।

अजाइको ग्लोबल एलएलपी चैंबर ऑफ कॉमर्स को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पूछताछ प्रदान करेगा

सचिन जीआईडीसी में दिवाली अवकाश के दौरान सीसीटीवी चालू रखने का अनुरोध

मिनी वेकेशन में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सीसी कैमरे चालू रखने का व्यवसायियों से अनुरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सचिन जीआईडीसी में दिवाली त्योहार के दौरान एक मिनी-अवकाश होता है, जब पूरे साल के कारोबार से थके हुए सभी व्यवसायी छुट्टियों पर बाहर जाते हैंए। चोर उच्चक्के स्थिति का फायदा उठाकर जीआईडीसी में चोरी चकारी करने में शामिल हो जाते हैं। चूंकि दिवाली के दौरान सचिन जीआईडीसी मिनी वेकेशन होता है, इसलिए पूरी संभावना है कि चोर हाथ साफ करेंगे। परिवर्तन पैनल के निर्वाचित

विंग के पदाधिकारी उमेशभाई डोबरिया के नेतृत्व में हुई बैठक के दौरान उद्योगपतियों के हित में कुछ फैसले लिए गए। जिसके अनुसार सचिन इंडस्ट्रियल कॉ.ऑ. सोसायटी लिमिटेड के सचिव मयूर गोलवाला ने कहा कि सचिन जीआईडीसी पुलिस दिवाली की छुट्टियों के दौरान सचिन जीआईडीसी में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए कड़ी निगरानी रखें। इसके अलावा, व्यापारियों को अपनी इकाइयों के बाहर मुख्य द्वार पर सीसी कैमरे चालू रखने होंगे। ऐसे में पूरा सचिन जीआईडीसी पुलिस तंत्र और कैमरों की नजर में रहेगा। इंडस्ट्रियल कंपनी सोसायटी के उपाध्यक्ष नीलेश गामी ने कहा कि इस बार अधिसूचित सुरक्षा और निर्वाचित विंग पदाधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। इसलिए हम विशिष्ट कार्य करने जा रहे हैं। छुट्टियों में भी हम जीआईडीसी का रूवन्ड लगाने जाते रहेंगे।

उमेशभाई डोबरिया ने आगे कहा कि अब जबकि दिवाली का त्योहार शुरू हो चुका है और छुट्टियों के दौरान किसी भी व्यवसायी को अपने कार्यालय में नकद राशि यथासंभव कम रखनी चाहिए। यदि व्यवसायी स्वयं जागरूक होगा तो चोरी की घटनाएं नहीं होंगी और जिम्मेदार तंत्र भी कुछ जिम्मेदारी निभाने में प्रसन्न होगा।

सचिन जीआईडीसी के पदाधिकारी नीलेश लिंबासिया अध्यक्ष, मयूर गोलवाला सचिव, नीलेश गामी उपाध्यक्ष ने व्यवसायियों से अनुरोध किया है की वेकशन के दौरान अपने प्रतिष्ठानों का सीसीटीवी कैमरा चालु रखे।

ओजस्वी फाउंडेशन से जुड़े 7 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी,

हवाला का पैसा विदेश भेजे जाने का शक

सूरत में ईडी की जांच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गुरुवार से सूरत के डुमस रोड पर राजहंस मोंटेसा समेत 7 ठिकानों पर जांच की गई। जिसमें ओजस्वी फाउंडेशन की ओर से हवाला का पैसा विदेश भेजे जाने की आशंका पर जांच कर दस्तावेज जुटाए गए हैं।

ईडी ने सूरत के ओजस्वी फाउंडेशन पर छापा मारा है। छापेमारी की कार्रवाई कल सुबह शुरू की गई थी।

ओजस्वी फाउंडेशन से जुड़े 7 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी हुई जिसमें 1 करोड़ कैश जब्त किया गया। एचवी और पीएम अंगड़िया फर्मों की भी जांच की गई।

दोनों संगठनों पर अंगड़िया फर्म के जरिए हवाला का पैसा विदेश भेजने का संदेह है। साथ ही ईडी सभी जगहों से पर्याप्त सबूतों के साथ दस्तावेज भी इकट्ठा कर रही है। ईडी की जांच में कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी मिले हैं।

ईडी सभी जगहों से पर्याप्त सबूतों के साथ दस्तावेज भी इकट्ठा कर रही है

दिवाली से पहले पटाखे फुटे, पटाखों की दुकान पर आग लगने से मची भगदड़

आग और पटाखे फुटने से कुछ देर के लिए सड़क जाम, नाबालिग लड़की को मामूली चोट

पटाखों में अचानक आग लग गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजण में एक पटाखे की दुकान में आग लग गई। पटाखा दुकान के व्यवसायी पति-पत्नी भोजन लेने गये थे। जब वह वापस आए तो देखा कि पटाखे की दुकान में आग लगी हुई है। आग लगने की घटना होते ही पटाखे फूटने लगे और कुछ देर के लिए सड़क जाम हो गई। हालांकि, स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी और टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। मालूम हो कि आग लगने की घटना में स्टॉल मालिक की छोटी बेटी को मामूली चोटें आई हैं।

अडाजण-पाल क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सार्वजनिक सड़क पर बिक्री के लिए रखे पटाखों में आग लग गई। हालांकि, समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। आग लगते ही पटाखे फूटने लगे। रॉकेट भी उड़ने लगे और कुछ देर के लिए सड़क जाम हो गई।

पलसाना के एना गांव लुटेरों ने क्लार्क की गला घोंटकर हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत जिले के एनआरआई गांव के नाम से मशहूर पलसाणा तालुका के एना गांव में दिवाली से पूर्व हडकंप मच गया है। एना गाँव पर लुटेरों ने धावा बोल दिया। शिवालिक बंगलों में मकान नंबर १३ के पीछे से घुसे लुटेरों ने क्लर्क की हत्या कर लूटपाट की। पुलिस ने पूरी घटना को लेकर आगे की जांच की है।

लुटेरे घर मालिक राकेश नायक के रूम में घुस गये। घर पर राकेशभाई नायक के कमरे से सोने के आभूषणों की मांग की। राकेशभाई ने उनसे सारे गहने देने को तैयार हो गए उसके बावजुद क्रूर लुटेरों ने राकेशभाई नायक की गला दबाकर हत्या कर दी। उनकी हत्या करने के बाद लुटेरे सारा सोना लूटकर भाग गये।

जब लुटेरों ने घर पर हमला किया तो राकेशभाई नायक के परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। डकैती और हत्या की सूचना पर स्थानीय पलसाना पुलिस के साथ-साथ जिला एलसीबी और एसजी पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। शिवालिक बंगलों में राकेशभाई नायक की डकैती और हत्या को जिस घर में अंजाम दिया गया, उसके पास से एक कृषि क्षेत्र और एक राजमार्ग गुजरता है। इसी का फायदा उठाकर लुटेरे पहले से ही संभलकर खेत और हाईवे का फायदा उठाकर भाग निकले हैं।

डकैती और हत्या का शिकार राकेश नायक एना में एना एजुकेशन बोर्ड द्वारा संचालित स्कूल में क्लर्क के पद पर कार्यरत था। घर में एक लड़का-लड़की, राकेशभाई और उनकी पत्नी और उनकी माँ सहित कुल छह सदस्य थे।

घर से सोने के गहने लूटे, लुटेरे फरार

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे